राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार ,25 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-244 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2 साल के बच्चे ने खेलते-खेलते सिक्का निगल लिया, मां ने बेहोशी की हालत में अस्पताल पहुंचाया.

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत के पांडेसरा में 2 साल के बच्चे को अचानक उल्टी आने लगी और वह बेहोश हो गया. तमाम तरह की रिपोर्ट के बाद एक्स-रे पर बच्चे के गले में धातु का सिक्का देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए। पूछताछ में पता चला कि बच्चा करेंसी सिक्कों से खेल रहा था। हालांकि, बच्चे को अब ईएनटी विभाग में भर्ती कराया गया है। संतोष मौर्या (बच्चे के पिता) ने कहा कि वह यूपी बनारस का रहने वाला है और सूरत में सांचा कारीगर का काम कर अपने दो बच्चों और पत्नी को खाना खिला रहा है। आज उनका सबसे छोटा बेटा

एक्स-रे में पता चला कि सिक्का बच्चे के गले में फंसा हुआ था।

आदर्श (यू.वी.2) घर के बाहर खेल रहा था। अचानक उल्टी देखकर मां सुरेखाबेन घबरा गईं। जांच में पता चला कि मां ने आदर्श को खेलने के लिए एक रुपए का सिक्का दिया था। उनके गले में एक रुपये का सिक्का फंस गया।उन्होंने आगे कहा कि उल्टी के बाद होश खोने वाले आदर्श को 108 की मदद से सूरत सिविल अस्पताल लाया गया और यहां हर तरह की रिपोर्ट दी गई. हालांकि, एक्स-रे से पता चला कि आदर्श के गले में एक धातु का सिक्का फंसा हुआ था। माँ ने कहा कि यह रुपया ही एक ऐसा सिक्का होगा जिसने उसे खिलौना दिया। यह सुनकर डॉक्टरों ने मासूम आदर्श को भर्ती कर लिया है।

प्राकृतिक इच्छा से सिक्का निकालने का प्रयास डॉक्टरों का कहना है कि पहले सिक्के को निकालने के लिए नरम और हल्के भोजन का उपयोग करना चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो सर्जरी एक विकल्प हो सकता है। इसे पेट में ले जाने और इसे बाहर निकालने का प्रयास किया जाएगा।

यूपीएससी की परीक्षा में सूरत के कार्तिक जीवनी को मिला देश में 8 वां, गुजरात में पहला स्थान

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत के कार्तिक जीवनी ने तीन बार यूपीएससी की परीक्षा पास की है। कार्तिक जीवनी ने इस बार यूपीएससी परीक्षा में देश में आठवां रैंक हासिल कर इतिहास रच दिया है। कई सालों के बाद गुजरात का एक छात्र टॉप टेन में चमका है। कार्तिक जीवनी ने पूरी तैयारी सूरत से की।उन्होंने दिल्ली में कहीं भी कोचिंग क्लास जॉइन नहीं की बल्कि ऑनलाइन क्लासेज की। वह सूरत से दिल्ली में यूपीएससी की सभी ऑनलाइन क्लासेज देखता था और उसी के मुताबिक तैयारी करता था। उन्होंने सूरत में कक्षा १२ तक और फिर मुंबई कॉलेज में आईआईटी इंजीनियरिंग में पढ़ाई की।

राव साहब की बात सुनकर आईएएस बनने की सोची

नागजीभाई जिवानी के बेटे कार्तिक जीवनी का जन्म १९९४ में हुआ था जब प्लेग सूरत में आया था। उस समय सूरत में प्रसूति विशेषज्ञ मौजूद नहीं थे। उस समय सूरत की कहानियाँ सुनीं जिनमें एस.आर. राव नाम के एक नगर आयुक्तने सूरत की भौगोलिक स्थिति को बदल दिया। शहर का दरांती बदलते ही सूरत एक बार फिर सोने की मूर्ति बनने जा रहा था। राव साहब की परफॉर्मेंस सुनकर कार्तिक भी आईएएस बनना चाहते थे।

सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को

जाता है , कार्तिक जीवनी दिन में आठ से दस घंटे पढ़ते थे। जिसमें वह ज्यादातर रात पढ़ता था और सुबह सोता था, यही उसका शेड्यूल था। उन्होंने जो सफलता हासिल की, उसका श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता को दिया। खासकर कार्तिक जीवनी के मुताबिक जब मैं पूरी रात पढ़ रहा था तो मेरी मां भी कई बार मेरे साथ जगी रहती थीं. मेरी माँ ने आधी रात को भी मेरे लिए चाय बनाई जब मुझे चाय-पानी की व्यवस्था करनी पड़ी। और इसीलिए आज मैं इस परीक्षा को पास करके अपने सपने को पूरा करने में सक्षम हुआ।

आत्महत्या करने छत पर पहुंची बेटी छलांग लगाए उससे पहले पिता ने उसे बचा लिया

क्रांति समय दैनिक समाचार

वलसाड, आज की पीढ़ी इतनी असहनशील हो गई है कि अपनी मनमानी पूरी नहीं होने पर आत्महत्या करने से पीछे नहीं हटती। सिलवासा से ऐसी ही एक घटना सामने आई है, जिसमें एक युवती आत्महत्या करने के मकसद से एपार्टमेंट की छत पर पहुंच गई। हांलाकि युवती के छत से छलांग लगाने से पहले उसके पिता ने बचा लिया। इस घटना का वीडियो सामने आया है। जानकारी के मुताबिक सिलवासा में एक युवती आत्महत्या करने के उद्देश्य से फ्लैट की छत पहुंच गई। युवती के छत पर चढ़ने से आसपास के लोग जमा हो गए। युवती के माता-पिता को जब इसकी खबर लगी तो वह छत पर पहुंच गए और बेटी को समझाने का प्रयास करने लगे। लेकिन युवती अपने माता-पिता की कोई बात समझने को तैयार नहीं थी। जब लगा कि युवती किसी कीमत पर समझने को तैयार नहीं है, तब माता ने उसे अपनी बातों में लगा रखा और पिता चुपके से उसके पास पहुंच गया। युवती छलांग लगाए इससे पहले पिता उसका हाथ पकड़ लिया और उसे गोद में उठाकर नीचे घर में ले गए। युवती क्यों आत्महत्या करना चाहती थी,

इसका फिलहाल पता नहीं चला है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसे संभवत- एपार्टमेंट में रहनेवाले किसी व्यक्तिने बनाया है।

गैस कटर का सिलिंडर फटने से पिता-पुत्र के चीथड़े उड़े, दोनों की मौत

क्रांति समय दैनिक समाचार

राजकोट, उपलेटा में कबाड के गोदाम में गैस कटर का सिलिंडर फटने से जबर्दस्त धमाका हुआ और इस धमाके में वहां मौजूदा पिता-पुत्र के शरीर के चीथड़े उड़ गए। इस घटना में पिता-पुत्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के उपलेटा में पुरानी पुरोहित लोज के निकट कबाड के गोदाम में पिता अलीभाई काणा अपने पुत्र रजाक काणा समेत अन्य लोगों के साथ काम रहा था। जिसमें तीन लोग कुछ दूरी पर काम कर रहे थे। उस वक्तअचानक गैस कटर सिलिंडर ब्लास्ट होने से पिता-पुत्र के शरीर के चीथड़े उड़ गए। जानकारी के मुताबिक लोहे की कटिंग के लिए गैस का उपयोग किया जाता है और उसमें घरेलू गैस का उपयोग किया जाता था और वह भी किसी प्रकार की सुरक्षा के। जिसकी वजह से यह दुर्घटना होने की आशंका है।

सूरत में निओल चेक पोस्ट से 19.62 लाख रुपये की मेफेड्रोन के साथ कार चलाने के आरोप में 3 गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत,पुलिस ने सूरत में कडोडोरा रोड पर निओल चेक पोस्ट पर नजर रखी और उनमें से तीन को 196.2 ग्राम अवैध मेफेड्रोन नशीले पदार्थों के साथ एक कार से जब्त किया। क्राइम ब्रांच के मुताबिक 19.62 लाख रुपये के मामले में गिरफ्तार तीनों रांदेर के हैं. सूरत क्राइम ब्रांच ने अफीम के बाद मुंबई से सूरत में तस्करी कर बड़ी मात्रा में ड्रग्स लेकर तीन लोगों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है. मुंबई से सूरत आ रही होंडा अमेज कार नंबर जीजे-05-आरएम-4881 को गिरफ्तार किए गए ३ आरोपियों को कडोदरा निओल चेक पोस्ट के पास रोका गया और इस खबर के आधार पर कि सूरत से तीन आईएसएमओ भारी मात्रा में ड्रग्स लेकर आ रहे हैं, पुलिस ने निगरानी की (1) इमरान अब्दुल रशीद शेख यूवी 35 निवासी, शेख कला स्ट्रीट गोर गरीबा कब्रिस्तान के सामने रांदेर सूरत, (2) इमरान उर्फ बोबा 5/0 फकरुद्दीन खान यूवी 42 निवासी, मकान नंबर 16/23, कॉजवे रोड रनर सूरत का सुल्तानिया जिमखाना, (3) मुअज उर्फ मेजर इब्राहिम सैयद यू.वी. 19 निवासी। हाउस नंबर 94, लालबाग की पहाड़ी, कॉजवे रोड अमलीपुरा रांदेर ने सूरत पर कब्जा कर लिया।

मुंबई के नाला-सोपारा से ड्रग्स खरीदने वाले

अजय कुमार तोमर ने कहा कि शहर में नशीले पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत शहर को अवैध ड्रग और मारिजुआना तस्करों को पकड़ने के लिए सतर्क लोगों की मदद की जरूरत है। जिस किसी को भी ऐसे ड्रग डीलर के बारे में कोई जानकारी है, उससे अपील की गई थी कि वह क्राइम ब्रांच पुलिस को दें। पुलिस ने आरोपी के पास से 2,49,500 रुपये नकद और 28.49 लाख रुपये की एक मोबाइल और अमेज कार के साथ ही अवैध मेफेड्रोन नशीले पदार्थ की मात्रा भी जब्त की है। आरोपी से पूछताछ करते हुए वह मुंबई के नाला-सोपारा के एक आईएसएम से बड़ी मात्रा में मेफेड्रोन नशीला पदार्थ खरीदकर चार पहिया वाहन से सूरत ला रहा था। उसने सूरत के अलग-अलग इलाकों में बेचने की बात भी कबूल की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है कि सूरत शहर में एमडी दवाओं की मात्रा की आपूर्ति कौन करता था।

कुल 196.2 ग्राम मेफेड्रोन मादक पदार्थ जब्त किए गए

वेसु क्षेत्र की सड़कें नदियाँ बन गईं।

24 घंटों में राज्य की 151 तहसीलों में बारिश, अगले पांच दिनों तक रहेगा बरसाती माहौल

क्रांति समय दैनिक समाचार

राज्य में अगले पांच दिनों तक बरसाती माहौल रहेगा और मध्यम से भारी बारिश होगी। 27 और 28 सितंबर को राज्यभर में बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में राज्य की 151 तहसीलों में बारिश हुई है। राजस्थान में बने सर्क्युलेशन के चलते गुजरात में बरसाती माहौल बरकरार है और इसके पांच दिनों तक रहने की संभावना है। राज्य में अब तक कुल 81.34 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी पांच दिनों के दौरान सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में मध्यम बारिश होगी। जबकि सौराष्ट्र में हवा के साथ छुटपुट बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक जामनगर के जोडिया में 191 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं बनासकांठा के अमीरगढ़ में 100 मिमी, कच्छ के नखत्राणा में 93 मिमी, नवसारी के गणदेवी में 81 मिमी, सूरत के उमरपाडा में 78 मिमी, नवसारी के चीखली में 78 मिमी, वलसाड तहसील में 78 मिमी, कच्छ के अंजार में 76 मिमी, वलसाड के कपराडा में 72, नर्मदा के नांदोद में 66, कच्छ के रापर में 65, जामनगर तहसील में 63, बनासकांठा के दांता में 61 मिमी, सूरत के पलसाणा में 61, वलसाड के धरमपुर में 60 समेत 153 तहसीलों में बारिश हुई है। राज्य में अब तक मौसम की कुल 81.34 प्रतिशत औसत बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक सौराष्ट मंडल में 91.70 प्रतिशत, कच्छ में 85.82 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 81.34 प्रतिशत, पूर्व-मध्य गुजरात में 73.28 प्रतिशत और उत्तर गुजरात में मौसम की अब तक 65.12 प्रतिशत औसत बारिश हो चुकी है। पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के चलते राज्य के 56 डेम छलक गए हैं। फिलहाल राज्य के 83 डेम हाईअलर्ट पर और 12 अलर्ट पर हैं।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पेगासस की जांच

लोकतंत्र में किसी भी मोर्चे पर संदेह की गुंजाइश न्यूनतम होनी चाहिए। इसी दिशा में सुप्रीम कोर्ट की ओर से आया संकेत स्वागतयोग्य है कि पेगासस मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट एक विशेषज्ञ समिति गठित करेगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना ने गुरुवार को संकेतदिया कि सुप्रीम कोर्ट भारतीय नागरिकों की निगरानी के लिए इजरायली स्पाइवेयर पेगासस के कथित इस्तेमाल की जांच के लिए समिति गठित करेगा। अगर सब कुछ सही रहा और सरकार की ओर से इस मामले में कोई बड़ा या अलग फैसला नहीं आया, तो अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट आदेश जारी कर देगा। वैसे बेहतर यही होता कि केंद्र सरकार अपने ही स्तर पर मामले को आगे नहीं बढ़ने देती। वैसे संभव है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित होने जा रही समिति की रिपोर्ट भी सुरक्षा चिंताओं की वजह से जगजाहिर नहीं हो, पर देश को संतोष रहेगा कि पेगासस मामले में कम से कम सर्वोच्च अदालत को सब पता है। प्रधान न्यायाधीश उस पीठ का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसके पास उन याचिकाओं का एक पूरा समूह है, जिनमें गैर-कानूनी जासूसी की जांच अदालत की निगरानी में कराने की मांग की गई है। अदालत ने 13 सितंबर को ही अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जहां तक केंद्र सरकार की बात है, तो उसने यह सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया था कि उसकी एजेंसियों ने इजरायल के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया है या नहीं। सरकार के ऐसे जवाब के बाद सुप्रीम कोर्ट के पास इसके सिवा कोई विकल्प नहीं रह गया था कि वह स्वयं जांच समिति गठित करे। अब सुप्रीम कोर्ट की इस पहल से जहां न्यायपालिका के प्रति विश्वास में बढ़ोतरी होगी, वहीं सरकारी एजेंसियों के साथ टकराव में भी वृद्धि हो सकती है। उम्मीद करनी चाहिए कि किसी तरह का सांविधानिक संकट न पैदा हो। ध्यान रहे, सरकार अगर जांच को रोकेगी, तो उसे लोगों को जवाब देना पड़ेगा। बड़ा सवाल यह नहीं है कि किन लोगों की जासूसी की गई, बड़ी चिंता यह है कि क्या विदेशी सॉफ्टवेयर का मनमाना इस्तेमाल हुआ। सॉफ्टवेयर इस्तेमाल का फैसला किसने लिया? कोई भी सरकार यह नहीं चाहेगी कि उस पर संदेह किया जाए, तो फिर सरकार पेगासस जासूसी मामले में दायर 16 अगस्त के अपने हलफनामे पर क्यों कायम है? अब समस्या यह है कि जिन मंत्रियों, राजनेताओं, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की जासूसी की गई, वे तो जवाब चाहेंगे। क्या इन लोगों को विश्वास में लेकर सरकार समाधान निकाल सकती है? हालांकि, इसमें दिक्कत यह भी है, एकाधिक देशों में पेगासस के इस्तेमाल की जांच चल रही है, अगर इन देशों से भारत संबंधी सूचनाओं का भी खुलासा हुआ, तो फिर भारतीय सरकारी एजेंसियों की परेशानी ज्यादा बढ़ जाएगी। अत- जो सरकारी एजेंसियां जिम्मेदार हैं, उन्हें अपनी छवि की रक्षा के लिए सक्रिय हो जाना चाहिए। जासूसी भले ही सभ्य विधा न हो, लेकिन व्यावहारिक रूप से प्रचलन में है, इसकी मौजूदगी से इनकार नहीं किया जा सकता। फिर भी एक लोकतंत्र में जहां लोग सरकारी एजेंसियों पर विश्वास करते हैं, वहां सरकारी एजेंसियों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपराध और अपराधियों को रोकने के सही तरीकों को ही तरजीह दें, ताकि किसी निर्दोष को धोखे या अपमान का एहसास न हो।

'आज के ट्वीट

नकल

प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल गिरोह द्वारा नकल कराने जैसे प्रकरण सामने आने के बाद अभ्यर्थियों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। ऐसे में, इन नकल गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। किसी भी परीक्षा केन्द्र पर लापरवाही नहीं बरती जाए। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

-- मु. अशोक गहलोत

विधाता के रहमोकरम पर अन्नदाता

देविंदर शर्मा

वर्ष 1995 में विश्व व्यापार संगठन के वजूद में आने के कुछ दिन बाद, मुझे लंदन के 'द इकोलॉजिस्ट' ने भारतीय और यूरोपियन किसान के बीच तुलनात्मक लेख लिखने को आमंत्रित किया था। इसके पीछे मंशा यह जानने की थी कि भारत के खेतों में फसल उगाने के लिए होने आने वाला खर्च क्योंकि अपेक्षाकृत कम है तो क्या उन्हें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विकल्प खुलने का कोई आर्थिक लाभ हुआ है। यह वह आम धारणा है, जिसे मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों ने, किसानों के विरोध के बावजूद, व्यापार संधि पर हस्ताक्षर को न्यायोचित बताने के लिए तैयार किया था। उनमें एक तर्क तो विश्व व्यापार संगठन की इस संधि को किसानों के लिए बड़ा 'धमाकेदार मौका' बताने तक चला गया। इस उम्मीद के साथ कि कृषि उत्पाद के निर्यात में बहुत बड़ा उछाल आएगा, किसान की आमदनी बढ़ने का कयास लगाया था, जिससे भारतीय कृषि की सूरत में बदलाव आना तय माना गया था। लेकिन इस बात के कोई पुख्ता सुबूत उपलब्ध न होने के कारण और बताए जा रहे कथित फायदों के नदारद होने पर, वास्तव में मैंने भारतीय किसान की तुलना यूरोपियन नस्ल की गाय से की थी। विश्व व्यापार संगठन के अस्तित्व में आने के लगभग 26 साल बीतने के बाद, कृषि और ग्रामीण भारत पर राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन की पिछले हफ्ते आई नवीनतम रिपोर्ट में जो मंज़र सामने आया है, वह शोचनीय है। यह वस्तुस्थिति आकलन अध्ययन वर्ष 2018-19 में हुआ था। सर्वे रिपोर्ट में आय के हिसाब से किसान और गाय लगभग एक से हैं, लेकिन जो कुछ सामने आया है वह भयावह है- एक औसत भारतीय किसान की कमाई खेत-मजदूर से भी कम है। यदि आजादी के 75 साल भी किसानों की आमदनी अपने खेतों में काम करने वाले मजदूर से कम है, तो यह केवल यही दिखाता है कि जानबूझ कर बनाई गई आर्थिक नीतियों का मंतव्य कृषक की आमदनी इतनी कम रखना है कि मजबूरन खेती छोड़ शहरों की ओर पलायन करे, क्योंकि वहां सस्ते मजदूरों की जरूरत है, और बरसों से यही लीक चल रही है। वर्ष 2012-13 में जब आखिरी वस्तुस्थिति आकलन अध्ययन हुआ था, तब एक कृषक परिवार की आमदनी कुल उपज की लगभग 48 फीसदी थी, जो वर्ष 2018-19 आते-आते 38 प्रतिशत से नीचे चली गई। जबकि इसी अवधि में केवल खेत-मजदूर के वेतन का हिस्सा 32 फीसदी से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया। औसत कृषक परिवार की आमदनी का एक बड़ा हिस्सा वेतन देने में निकल जाता है, और उम्मीद है आने वाले सालों में भी यह चलन बना रहेगा। 'कुल किये गए भुगतान' के आधार पर की गणना के मुताबिक एक किसान परिवार की कुल मासिक आय 10,218 रुपये बैठती है। यदि इसकी तुलना वर्ष 2012-13 में रही आय यानी 6426 रुपये से करते हुए और मुद्रास्फीति जोड़ने के बाद इसमें 16 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी हुई है। 'किये गए भुगतान' और अन्य अवयवों को शामिल करने के बाद वर्ष 2018-19 में किसान की औसत मासिक आय 8337 रुपये बनती है। इस अन्य अवयवों का मतलब है- खेती करने में घर खर्च से डाला गया पैसा, बकाया मजदूरी, मशीनरी, बीज इत्यादि पर पल्ले से किया खर्च। तथापि जहां तक फसल उगाने की बात है, एक औसत कृषक परिवार की वर्ष 2018-19 में मासिक आय 3,798 रुपये रही थी। अब वास्तव में, जब इसमें मुद्रास्फीति को भी जोड़ें तो 2012-13 से 2018-19 के बीच आय में दरअसल 8.8 प्रतिशत की कमी हुई है। इसको आगे यदि दिहाड़ी के हिसाब से बताया जाए, जैसा कि एक अखबार में छपा हैरान करने वाला विश्लेषण बताता है, तो खेती से हुई रोजाना आय मात्र 27 रुपये बैठती है! यहां तक कि मनरेगा में काम करने वाला मजदूर इससे ज्यादा दिहाड़ी बना लेता है। इससे केवल वही निष्कर्ष निकलता है, जो मैं सालों से कहता आया हूं-किसान को मिल रही भोजन पैदा करने की सजा। किसी भी सूरत में, खेती से होने वाली रोजाना आय एक दुधारू गाय से होने वाली आय से भी कम है, क्योंकि डेयरी से निकलने वाले एक लिटर दूध की थोक कीमत लगभग 30 रुपये है। जितनी कृषि-आय कम होगी उतना ही आगे कर्ज लेने में मुश्किल पेश आएगी, कई बार विभिन्न स्रोतों से ऋण लेना पड़ता है। किसान के सिर चढ़ा औसत कर्ज, जो वर्ष 2012-13 में 47,000 था वह 2018-19 में बढ़कर 74,100 रुपये हो गया। भारत के कुल किसानों का लगभग आधा यानी 50.2 प्रतिशत के सिर पर पर कर्ज बकाया है। हैरानी की बात है कि मिजोरम में बकाया ऋण में भारी-भरकम 709 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, इसके बाद सूची में उत्तर-पूरब से असम और त्रिपुरा का स्थान है। हाल ही में, मार्च, 2021 के अंत में, संसद को बताया गया है कि किसानों की तरफ रहता कुल बकाया ऋण 16.8 करोड़ है, सूची में सबसे ऊपर तमिलनाडु है। यह देखते हुए कि भारत में लगभग 77 फीसदी परिवार खेती आधारित स्व-रोजगार वाले हैं और इनमें 70.8 फीसदी के पास 1 हेक्टेयर से भी कम कृषि भूमि है। 1 से 2 हेक्टेयर वाले किसानों की गिनती केवल 9.9 प्रतिशत है। परिवार की कृषि से होने वाली आय वह मानी जाती है, जहां एक घर में 4,000 रुपये से ऊपर की आमदनी खेती और अन्य संबंधित गतिविधियों से हुई हो, और घर का कम से कम एक सदस्य सालभर निरोल रूप से किसानी करता हो। अब देशभर में चूंकि 10 हेक्टेयर से ज्यादा भूमि वाले किसान महज 0.2 प्रतिशत हैं, तो यह तथ्य उस भ्रामक प्रचार की हवा निकालने को काफी है, जिसमें कहा जा रहा है कि मौजूदा किसान आंदोलन वस्तुतः बड़े किसानों द्वारा चलाया जा रहा है। किसान छोटा हो या बड़ा, उसको हक से बनती कमाई से महरूम रखना उस कुटिल नीति के तहत है जिसे पिछले कुछ दशकों में एक-के-बाद-एक बनी केंद्रीय सरकारों ने आगे बढ़ाने का काम किया है ताकि लोगों को खेती से हटाया जाए। विश्वबैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष जैसी संस्थाएं चाहती हैं कि ग्रामीण जनसंख्या शहरों की ओर पलायन करे, ऐसा करना उस बलवती आर्थिक सोच के तहत है कि शहरी जनसंख्या की गति बढ़ने से तेज आर्थिक विकास स्वतः बनता है, खेती को तौर-तरीकों को जानबूझ कर पुरानी लीक पर कायम रखने से ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है कि किसान खुद से खेती से तौबा कर पलायन करने को मजबूर हो जाए। हैरानी नहीं होगी यदि वस्तुस्थिति आकलन सर्वे की रिपोर्ट 2018-19 को मुख्यधारा के अर्थशास्त्री आधार बनाकर शहरों की ओर पलायन वाली योजना में और तेजी लाने के लिए कहने लगें। जबकि होना उलटा चाहिए। जहां भारत के खाद्यान्न उत्पादन ने वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड 30.86 करोड़ मीट्रिक टन का आंकड़ा छुआ है, साल-दर-साल उपज बढ़ी है, इसके विपरीत खेती से होने वाली आय नीचे की ओर जा रही है। ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) द्वारा पिछले 20 सालों (2002-21) पर तैयार प्रॉड्यूसर सब्सिडी एस्टीमेट हमें बताता है कि वियतनाम, अर्जेंटाइना और भारत, ऐसे तीन देश हैं जो अपने किसानों पर नेगेटिव टैक्स लगा रहे हैं। कुल कृषि आय के आधार पर भारत ने अपने किसानों पर लगभग माइनस 5 फीसदी कम कर टैक्स लगा रखा है। किसान अब समझ गया कि सरकार का नए कृषि कानून थोपना दरअसल खेती संकट में आगे और इजाफा करने का वादा भर है। जो कुछ वह मांग रहे हैं, वह यही कि कृषि आय नीति पर पुनर्विचार हो, जहां खेती, गैर-कृषि स्रोतों से आई कमाई लगाए बिना, अपने आप में आर्थिक रूप से व्यावहारिक बन सके।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

शून्य होना सीखो

आचार्य रजनीश ओशो/ अनेक भारतीय मित्र पत्र लिखकर मुझे पूछते हैं कि न मालूम कितने विदेशी मित्र हिंदी प्रवचन भी सुनने आते हैं। इनकी क्या समझ में आता होगा? मगर सत्संग का समझने, न-समझने से कुछ लेना-देना नहीं है। सच तो यह है, मुझे बहुत से विदेशी मित्र लिखते हैं कि जब आप अंग्रेजी में बोलते हैं, तो हमारी बुद्धि बीच में आ जाती है। हम सोच-विचार में लग जाते हैं। वह मजा आ नहीं पाता, जो जब आप हिंदी में बोलते हैं क्योंकि बुद्धि को तो कुछ करने को बचता ही नहीं। सिर्फ आपकी उपस्थिति रह जाती है। हम रह जाते हैं, आप रह जाते हैं, बीच में कोई व्यवधान नहीं रह जाता। मगर इस देश के अभाग्य की कोई सीमा नहीं है। जब मैं अंग्रेजी में बोलता हूं, तो जो हिंदुस्तानी मित्र अंग्रेजी नहीं समझते, वे आना बंद कर देते हैं। वे मुझे लिखते हैं कि आप अंग्रेजी में बोलते हैं, तो हम क्या करें आ कर। इस बीच कुछ और काम-धाम देख लेंगे। अरे, जब समझ में ही नहीं आना है, तो समय क्यों गंवाना! जैसे समझ ही सब कुछ है। समझ के पार भी कुछ है। और जो समझ के पार है, वही सब कुछ है। मुक्ता! शून्य होना सीख, तो तुझे मेरे उठने-बैठने में भी हरिकथा सुनाई पड़ेगी। मैं तेरी तरफ देखूं या न देखूं, इससे कुछ भेद न पड़ेगा। इस भीड़ में भी मेरी आंखें उनको खोज लेती हैं। लेकिन इस भीड़ में भी मेरी आंख अपने आप उन पर टिक जाती है, जो शून्य होकर बैठे हैं। वे अलग ही मालूम होते हैं। उनकी भाव-भंगिमा अलग है। मौजूदगी का रस अलग है। मौजूदगी की प्रगाढ़ता अलग है। जैसे हजारों बुझे दीए रखे हों और उनमें दो-चार दीए जल रहे हों। तो वे दीए जो जल रहे हैं, अलग ही दिखाई पड़ जाएंगे। कुछ खोजना थोड़े ही पड़ेगा कि कौन-कौन से दीए जल रहे हैं! हजारों दीए रखे हों बुझे, उस भीड़ में चार दीए जल रहे हों, तुम्हारी आंखें फौरन जलते हुए दीयों पर पहुंच जाएंगी। यूं मैं इधर आता हूं; क्षण भर को हाथ जोड़कर तुम्हें देखता हूं। जाते वक्त क्षण भर को हाथ जोड़ कर तुम्हें देखता हूं। उस क्षण भर में उन पर मेरी आंखें पहुंच जाती हैं-मैं पहुंचाता नहीं; पहुंच जाती हैं-जो जल गए दीए हैं। जो बुझे दीए हैं उन पर आंखें ले जाकर भी क्या करूं। आंखें वहां जाएंगी भी तो बुझे दीयों को क्या होगा? और अकड़ आ जाएगी। बुझने का रास्ता मिल जाएगा। यूं ही बुझे हैं, और बुझे में बुझ जाएंगे। यूं ही मरे हैं-और मर जाएंगे। उन पर तो मेरी भूल से भी नजर पड़ जाए, तो मैं हटा लेता हूं क्योंकि उनको कहीं भी यह भ्रांति न हो जाए कि मैं उन पर ध्यान दे रहा हूं।

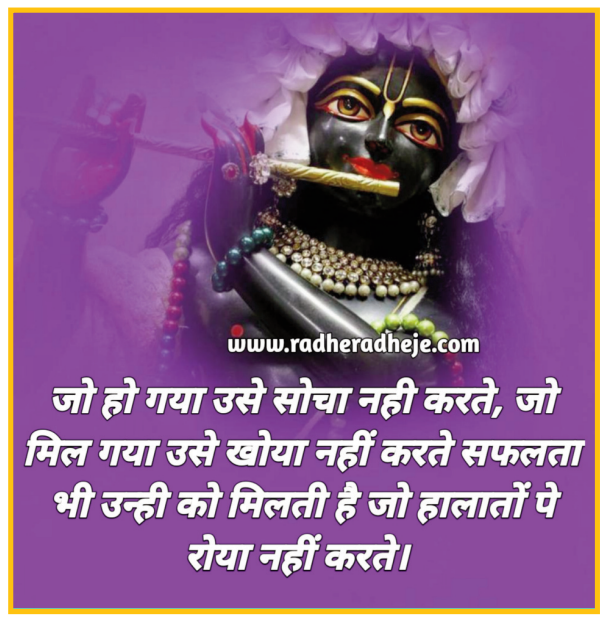

रस्म अदायगी तक सीमित न रहे हिन्दी पखवाड़े का आयोजन

- योगेश कुमार गोयल

हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत इन दिनों देशभर में अनेक प्रतिष्ठानों में हिन्दी को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से कई प्रकार की गतिविधियां चलाई जा रही हैं लेकिन हर साल हिन्दी पखवाड़े के नाम पर इस प्रकार के आयोजनों को महज रस्म अदायगी के रूप में ही देखा जाता रहा है। हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है और प्रत्येक भारतवासी के लिए यह गर्व की बात होनी चाहिए कि अब केवल भारत में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हिन्दी को चाहने वालों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। इसलिए हिन्दी पखवाड़े जैसे महत्वपूर्ण अवसरों को औपचारिक समारोहों तक सीमित रखने के बजाय इसके माध्यम से हिन्दी भाषा के निरन्तर संरक्षण और संवर्धन को लेकर संजीदगी से अभियान चलाए जाने की सख्त दरकार है। दरअसल हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। बहुत सारे देशों में अब वहां की स्थानीय भाषाओं के साथ हिन्दी भी बोली जाती है। इसके अलावा दुनिया के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन तथा अनुसंधान की भाषा भी बन चुकी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। हिन्दी भाषा के महत्व को स्वीकारते हुए वह कहा करते थे कि सम्पूर्ण भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है, जिसे जनता का बड़ा भाग पहले से ही जानता-समझता है और राज व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। हिन्दी की बढ़ती ताकत का सकारात्मक पक्ष यही है कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं। दुनियाभर में आज करीब 75 करोड़ व्यक्ति हिन्दी बोलते हैं और जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्वीकार्यता निरन्तर बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना असंगत नहीं होगा कि अब वह दिन ज्यादा दूर नहीं, जब हमारी राजभाषा हिन्दी चीन की राजभाषा चीनी को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच जाएगी। हिन्दी भाषा के महत्व को देश-विदेश के बड़े-बड़े विद्वानों ने समय-समय पर अपने शब्दों में व्यक्त किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के छोटे से छोटे क्षेत्र में भी हिन्दी अपना दायित्व निभाने में समर्थ है। गांधीजी कहते थे कि दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल दिल से बातचीत करता है और राष्ट्रभाषा के बिना एक राष्ट्र गूंगा है। अमेरिका के जाने-माने चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग का कहना था कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी हिन्दी को देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत मानते थे जबकि राहुल सांस्कृत्यायन के अनुसार संस्कृत की विरासत हिन्दी को जन्म से ही मिली है। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का कहना था कि राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिन्दी ही जोड़ सकती है। डॉ. फादर कामिल बुल्के ने संस्कृत को मां, हिन्दी को गृहिणी और अंग्रेजी को नौकरानी बताया था। आयरिश प्रशासक जॉन अब्राहम ग्रियर्सन को भारतीय संस्कृति और यहां के निवासियों के प्रति अगाध प्रेम था, जिन्होंने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि बताया था। भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने हिन्दी को लेकर एकबार कहा था:-

भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।

अर्थात् अपनी भाषा से ही उन्नति संभव है क्योंकि यही सारी उन्नतियों का मूलाधार है। मातृभाषा के ज्ञान के बिना हृदय की पीड़ा का निवारण संभव नहीं है। महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम को परिभाषित करता वर्ष 1917 का एक ऐसा किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंध कांफ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधीजी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात् उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधीजी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। विश्वभर में हमारी हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री 'बॉलीवुड' का नाम है, जहां हर साल करीब डेढ़ हजार फिल्में बनती हैं और ये फिल्में भारत के अलावा विदेशों में भी खूब पसंद की जाती हैं। यही कारण है कि बॉलीवुड सितारे अक्सर अपनी फिल्मों के प्रचार-प्रसार के लिए अब विदेशों में शो आयोजित करते हैं। यूएई में हिन्दी एफएम चैनल वहां के लोगों की खास पसंद हैं। जब हम ऐसे-ऐसे देशों में भी हिन्दी को भरपूर प्यार, स्नेह, सम्मान मिलता देखते हैं, जो अपनी मातृभाषाओं को लेकर बेहद संवेदनशील रहते हैं और उसे अपनी सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़कर देखते हैं तो यह वाकई हम भारतीयों के लिए गौरवान्वित करने वाली उपलब्धि ही है। आज दुनिया का हर वह कोना, जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी धूम मचा ही रही है। तो आइए, हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य को संरक्षण देने और इसका संवर्धन करने का संकल्प लेकर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के इसी सपने को साकार करने का हरसंभव प्रयास करें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

क्लबहाउस में जुड़ा नया फीचर,अब ऑडियो चैट के लिए दोस्त को कर सकते है इनवाइट

सैन फ्रांसिस्को। ऑडियो चैट ऐप क्लबहाउस ने आधिकारिक तौर पर लोगों को ऑडियो चैट के लिए आमंत्रित करने का एक नया फीचर वेव लॉन्च किया है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने गुरुवार को एक आश्चर्यजनक टाउन हॉल में घोषणा की। आईओएस और एंड्रॉइड पर सभी यूजर्स के लिए इस सुविधा को सक्षम कर रहा है। वेव पर यूजर्स इमोजी को टैप करके दोस्तों को लाइव ऑडियो रूम में आमंत्रित कर सकते हैं। एक बार जब वे अपना निमंत्रण प्राप्त कर लेते हैं, तो वे आपके कॉल में शामिल हो सकते हैं और तुरंत एक ऑडियो रूम में जुड़ सकते हैं। वेव भेजने के लिए दाईं ओर स्वाइप कर सकते हैं या स्क्रीन के नीचे बाईं ओर डॉट्स आइकन पर टैप कर सकते हैं। फिर जिस व्यक्ति से वे चैट करना चाहते हैं, उसके आगे वेव बटन को टेप करें। उन्हें एक सूचना मिलेगी कि आपने नमस्ते कहा है और आप चैट करने के लिए तैयार हैं। यदि वे भी हैं, तो वे आपके साथ एक निजी कमरे में शामिल हो सकते हैं। आप इसे एक सामाजिक दायरे में रख सकते हैं, विभिन्न समूहों के दोस्तों को एक-दूसरे से मिलवा सकते हैं, या कमरे को अधिक व्यापक रूप से खोल सकते हैं और इसे सभी के लिए बना सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि कोई तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो आप क्लब हाउस का उपयोग जारी रख सकते हैं, जैसा कि आप सामान्य रूप से करते हैं। कंपनी ने यह भी कहा, भ्रम से बचने के लिए, यदि आपके पास पृष्ठभूमि में ऐप है, तो अगर कोई जवाब देता है तो आपको तुरंत एक कमरे में नहीं खींचा जाएगा। क्लबहाउस ने मई में अपने ऐप को एंड्रॉइड पर लाया और जुलाई में अपनी वेटलिस्ट को हटा दिया।

सैमसंग नेक्स्ट-जेन सेल्फ-ड्राइविंग चिप्स बनाने के लिए टेस्ला के साथ कर रहा है बातचीतः रिपोर्ट

सियोल। सैमसंग कथित तौर पर सैमसंग की 7 नैनोमीटर चिप उत्पादन प्रक्रिया के आधार पर अगली पीढ़ी के सेल्फ-ड्राइविंग चिप्स बनाने के लिए टेस्ला के साथ बातचीत कर रही है। कोरियन इकोनॉमिक डेली के अनुसार, दोनों कंपनियों ने कई बार चिप डिजाइन पर चर्चा की है और टेस्ला के आगामी हार्डवेयर 4 सेल्फ-ड्राइविंग सिस्टम के लिए चिप प्रोटोटाइप का आदान-प्रदान भी किया है। दक्षिण कोरियाई तकनीकी दिग्गज कंपनी ने इस साल की चौथी तिमाही में जल्द से जल्द कोरिया में अपने मुख्य वासुंग संयंत्र में 7-नैनोमीटर प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी का उपयोग करके टेस्ला एचडब्ल्यू 4.0 चिप का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की योजना बनाई है। इससे पहले, एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि टेस्ला ने अपनी अगली पीढ़ी की सेल्फ-ड्राइविंग चिप के लिए ताइवान की सेमीकंडक्टर कंपनी टीएसएमसी द्वारा 7-नैनोमीटर प्रक्रिया का उपयोग करने की योजना बनाई है। सैमसंग वर्तमान में दुनिया में दूसरी सबसे बड़ा अनुबंध चिप निर्माता कंपनी है जो बाजार हिस्सेदारी का 17.3 प्रतिशत है और टीएसएमसी 52.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ बाजार का नेतृत्व करता है। इस बीच, टेस्ला के 2022 में 1.3 मिलियन डिलीवरी तक पहुंचने की उम्मीद है। वेदबश सिक्योरिटीज के विश्लेषक डैन इवेस ने कहा कि अब उन्हें उम्मीद है कि टेस्ला इस साल 9,00,000 वाहन वितरित करेगी और 2022 में 1.3 मिलियन वाहन तक बढ़ जाएगी। इस बीच, टेस्ला के 2022 में 1.3 मिलियन डिलीवरी तक पहुंचने की उम्मीद है। सिक्योरिटीज के विश्लेषक डैन इवेस ने कहा कि अब उन्हें उम्मीद है कि टेस्ला इस साल 9,00,000 वाहन वितरित करेगी और 2022 में 1.3 मिलियन वाहन तक बढ़ जाएगी।

माइक्रोसॉफ्ट एज अपडेट में टैब ग्रुप्स के साथ नए शॉपिंग फीचर्स शामिल

सेन फ्रांसिस्को।

विंडोज 11 लॉन्च से पहले, कंपनी माइक्रोसॉफ्ट एज के लिए कुछ अपडेट जारी कर रही है जिसमें टैब ग्रुप्स को शामिल किया गया है उपयोगकर्ता अपने ब्राउजर को थोड़ा कम अराजक बनाने के लिए टैब के संग्रह को इकट्ठा करने में सक्षम होंगे। ग्रुप्स बनाने के लिए, नियंत्रण बटन दबाए रखें और वे टैब चुनें जिन्हें आप शामिल करना चाहते हैं, फिर राइट-क्लिक मेनू से नए समूह में टैब जोड़ें चुनें, जैसा कि शुक्रवार को एनगैजेट ने रिपोर्ट अपनी रिपोर्ट में सूचना दी थी। उपयोगकर्ता प्रत्येक समूह के लिए एक अलग रंग के साथ लेबल को अनुकूलित कर सकते हैं। जब उपयोगकर्ता किसी टैब पर जाते हैं, तो वे वेब पेज का पूर्वावलोकन भी देख पाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट एज को खरीदारी के कुछ आसान फीचर भी मिल रहे हैं। ब्राउजर 5 मिलियन से अधिक उत्पादों के लिए समीक्षाओं और रेटिंग तक त्वरित पहुंच प्रदान कर सकता है। जब उपयोगकर्ता किसी उत्पाद पृष्ठ पर होते हैं, तो वे एड्रेस बार पर नीले टैग पर क्लिक कर सकते हैं और विश्वसनीय स्रोतों से विशेषज्ञ समीक्षाएं देख सकते हैं, साथ ही विभिन्न खुदरा विक्रेताओं से औसत उपभोक्ता स्टार रेटिंग भी देख सकते हैं। जब वे यह पता लगाते हैं कि क्या खरीदना है, तो माइक्रोसॉफ्ट का लक्ष्य उन्हें लेन-देन को थोड़ा तेजी से पूरा करने में मदद करना है। माइक्रोसॉफ्ट स्टार्ट नामक नया व्यक्तिगत समाचार फीड ब्राउजर में एकीकृत है। जब उपयोगकर्ता एक नया टैब खोलेंगे तो उन्हें प्रकाशकों की एक श्रृंखला से उनकी रूचियों के लिए प्रासंगिक शीर्षक और लेख दिखाई देंगे।

त्योहारी सीजन में सस्ते होम लोन की पेशकश

नई दिल्लीः त्योहारी सीजन के मद्देनजर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक , पंजाब नेशनल बैंक और एचडीएफसी द्वारा होम लोन दिये जा रहे आकर्षक ब्याज दरों के बीच एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने भी 6.66 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश की है। एलआईसी एचएफएल ने ऐलान किया कि त्योहारी सीजन के मद्देनजर 2 करोड़ रुपए तक के होम लोन पर 6.66 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश की गयी है। उसने कहा कि इसके साथ ही जिन ग्राहकों का सिबिल 700 से अधिक है उनके लिए भी आकर्षक पेशकश की गई है। कंपनी की यह पेशकश 30 नवंबर 2021 तक जारी रहेगी।

त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स की होगी जोरदार बिक्री, 9 अरब डॉलर की कर सकती हैं कमाई

बिजनेस डेस्कः

अमेजॉन, फ्लिपकार्ट और अन्य ई-कॉमर्स कंपनियों को इस साल के त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री का अनुमान है। त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स कंपनियों की बिक्री पिछले साल से 23 फीसदी बढ़कर 9 अरब डॉलर (66.4 हजार करोड़ रुपए) से ज्यादा रहने की उम्मीद है। पिछले साल त्योहारी सीजन में इन कंपनियों ने 7.4 अरब डॉलर के सामान बेचे थे। कंसल्टिंग फर्म रेडसीर ने एक रिपोर्ट में कहा कि महामारी के बाद मजबूत उपभोक्ता विस्तार और ऑनलाइन खरीदारी में तेजी से इस पूरे साल के दौरान ई-कॉमर्स कंपनियों की कुल ऑनलाइन बिक्री 49-52 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है। यह आंकड़ा 2020 के 38.2 अरब डॉलर से करीब 37 फीसदी ज्यादा है। वहीं, त्योहारी सीजन के पहले सप्ताह में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की सकल जीएमवी (ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू) सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 4.8 अरब डॉलर पहुंच सकती है। वापस सामानों की कीमतें घटाने से पहले प्लेटफॉर्म पर बेचे गए उत्पादों के कुल मूल्य को सकल जीएमवी कहा जाता है। रेडसीर के एसोसिएट पार्टनर मृगांक गुटगुटिया ने कहा कि करीब 80 फीसदी विक्रेताओं का मानना है कि त्योहारी सीजन बिक्री महामारी के नुकसान से उबारने में अहम भूमिका निभाएगी। इस दौरान बिक्री बढ़ाने में टियर-2 शहरों के उपभोक्ताओं की अहम भूमिका होगी। इस साल कुल ऑनलाइन खरीदारों में उनकी हिस्सेदारी 55-60 फीसदी होगी। मोबाइल की बिक्री सबसे ज्यादा रहने की उम्मीद है। 4.8 अरब डॉलर के सकल जीएमवी में उसकी हिस्सेदारी 11 फीसदी रह सकती है। उन्होंने कहा कि ईएमआई और बाय नाउ पे लेटर विकल्पों की वजह से भी ऑनलाइन बिक्री में तेजी की उम्मीद है।

सेंसेक्स पहली बार 60,000 अंक की ऐतिहासिक ऊंचाई पर, निफ्टी भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

बिजनेस डेस्कः

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। निवेशकों की लिवाली जारी रहने से बीएसई सेंसेक्स 163 अंक की बढ़त के साथ पहली बार 60,000 के स्तर को पार कर ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और एशियन पेंट्स की अगुवाई में यह तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 163.11 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ अब तक के उच्चतम स्तर 60,048.47 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 30.25 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 17,853.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 1,000 अंक से 60,000 अंक के ऐतिहासिक स्तर तक पहुंचने में 31 साल से कुछ अधिक समय लिया। मानक सूचकांक 25 जुलाई, 1990 को 1,000 अंक पर था और यह करीब 25 साल में चार मार्च, 2015 को 30,000 के स्तर पर पहुंचा। उसके बाद 30,000 से 60,000 के स्तर पर पहुंचने में उसे छह साल से थोड़ा अधिक समय लगा। यह बाजार में जारी जोरदार तेजी को बताता है। बीएसई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक आशीष कुमार चौहान ने कहा, ''सेंसेक्स आज 60,000 अंक पर पहुंच गया। यह भारत की वृद्धि की संभावना को दर्शाता है। साथ ही जिस तरीके से भारत कोविड अवधि के दौरान एक विश्व नेता के रूप उभरा है, उसे भी अभिव्यक्त करता है... इसके अलावा दुनियाभर में सरकारों ने अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा प्रसार किया और वित्तीय नीतियों को उदार बनाया, उससे भी शेयर बाजारों में गतिविधियां बढ़ी हैं।' सेंसेक्स के शेयरों में करीब 4 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में एशियन पेंट्स रहा। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, मारुति और इन्फोसिस में भी प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में टाटा स्टील, एसबीआई, एक्सिस बैंक, आईटीसी, एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस शामिल हैं। कोटक सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, ''बाजार में तेजी को सामान्य रूप से घरेलू संस्थागत निवेशकों से समर्थन मिला। लेकिन अब विदेशी संस्थागत निवेशक भी बाजार को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में कंपनियों के तिमाही परिणाम भी बाजार को गति देंगे। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, सियोल और हांगकांग नुकसान में रहें जबकि तोक्यो में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत मजबूत होकर 77.43 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत छोड़ने से पहले विवादों में Ford, डीलरों ने लगाए आरोप

मुंबईः

डीलरों के शीर्ष संगठन फाडा ने भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे को पत्र लिखकर फोर्ड इंडिया पर जबरदस्ती करने का आरोप लगाया है। पत्र में कहा गया है कि वाहन कंपनी ने आर्थिक दबाव के तहत अनुचित समय-सीमा को लागू करते हुए गैर-खुलासा समझौते (एनडीए) पर हस्ताक्षर करने के लिए अपने चैनल साझेदारों पर जबरदस्त दबाव डाला है। संगठन ने सरकार से आग्रह किया है कि फोर्ड इंडिया द्वारा देश भर में अपने डीलर भागीदारों के लिए तैयार किए जा रहे मुआवजा ढांचे की निगरानी के लिए एक कार्यबल गठित किया जाए। अमेरिकी वाहन कंपनी की स्थानीय इकाई फिलहाल अपने प्रमुख डीलरों के साथ बातचीत कर रही है। केंद्रीय मंत्री को भेज अपने पत्र में फाडा के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने सरकार से यह भी आग्रह किया है कि डीलरशिप के लिए मुआवजा ढांचा निर्धारित करने के मामले में उद्योग संगठन को भी साथ रखने के लिए फोर्ड इंडिया को निर्देश दिया जाए। अमेरिका के डेट्रॉइट की इस वाहन कंपनी ने इस महीने के आरंभ में भारत के अपने विनिर्माण संयंत्रों से वाहनों का उत्पादन बंद करने की घोषणा की थी। कंपनी ने कहा था कि वह अपने पुनर्गठन के तहत अब केवल आयातित वाहनों की बिक्री करेगी। कंपनी के इस निर्णय से उसके 4,000 से अधिक कर्मचारी और 300 से अधिक आउटलेट का परिचालन करने वाले करीब 170 प्रमुख डीलर प्रभावित हुए हैं। गुलाटी ने पत्र में कहा है, 'हम नम्रतापूर्वक इस मामले में आपके मंत्रालय के हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं। इसके लिए एक कार्यबल गठित किया जाए जो फोर्ड इंडिया से दैनिक जानकारी लेता रहे ताकि वाहन डीलरों और डीलरशिप कर्मचारियों के लिए फोर्ड इंडिया की मुआवजा योजना की निगरानी की जा सके।' इसके अलावा उन्होंने मंत्रालय से यह सुनिश्चित करने के लिए भी अनुरोध किया है कि फोर्ड इंडिया के पुनर्गठन की घोषणा के बाद भविष्य में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर ग्राहकों से संबंधित संभावित मुकदमों से डीलरों को बचाया जाए।

उन्होंने कहा, 'फोर्ड इंडिया किसी भी मुआवजा पैकेज तैयार होने से पहले 14 सितंबर, 2021 तक अपने डीलरों पर गैर खुलासा समझौते (एनडीए) पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डाल रहा है। फोर्ड के कई डीलरों ने प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर इसके समाधान के लिए फाडा से आग्रह किया है।'

हुआवे का ओपन यूलर ऑपरेटिंग सिस्टम 25 सितंबर को होगा लॉन्च

बीजिंग।

हुआवे ने घोषणा की है कि नए ओपन यूलर ऑपरेटिंग सिस्टम को 25 सितंबर को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। गिज्मो चाइना की रिपोर्ट के मुताबिक, हुआवे का ओपनयूलर एक ओपन-सोर्स और मुफ्त लिनक्स वितरण प्लेटफॉर्म है। जो एक खुले, विविध और समावेशी सॉफ्टवेयर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा। यह एक खुले समुदाय के माध्यम से दुनिया भर के डेवलपर्स के साथ सहयोग करेगा। हुआवे के संस्थापक री झेंगई ने कहा, कंपनी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्च र को मजबूत करने के अपने प्रयासों को बढ़ाएगा। इसका लक्ष्य इस प्लेटफॉर्म के लिए एक निरंतर और विश्वसनीय आधार प्रदान है। इससे पहले, हुआवे ने ओपनयूलर अपग्रेड प्लान की पुष्टि की थी, ओपनयूलर 22.03 अगले साल जारी किया जाएगा। यह लिनक्स कर्नेल 5.10 पर आधारित होगा। 31 दिसंबर, 2019 को, ओपन यूलर ओपन सोर्स कोड लॉन्च किया गया था। 27 मार्च,2020 को ओपन यूल ओपन सोर्स कम्युनिटी ने आधिकारिक तौर पर ओपन यूलर एलटीएस 20.03 (लॉन्ग टर्म सपोर्ट) वर्जन जारी किया।

चीन की चेतावनी से Bitcoin सहित कई क्रिप्टोकरेंसीज में आई भारी गिरावट

बिजनेस डेस्कः

शुक्रवार को बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसीज की कीमतों में गिरावट देखी गई। चीन के सेंट्रल बैंक ने धमकी दी है कि वह क्रिप्टकरेंसी ट्रेडिंग के खिलाफ कार्रवाई करेगा और घरेलू निवेशकों को सर्विस देने वाले विदेशी एक्सचेंजेज पर पाबंदी लगाई जाएगी। इससे देश के सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में 4.6 फीसदी तक गिर गई। बिटकॉइन की कीमत 4.6 फीसदी गिरावट के साथ 42,874 डॉलर पर गई। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर (**Ether**) की कीमत में 8 फीसदी और एक्सआरपी (**XRP**) की कीमत में 7 फीसदी गिरावट आई। बिटकॉइन की कीमत में लगातार एक हफ्ते की गिरावट के बाद गुरुवार को तेजी आई थी लेकिन एक बार फिर यह गिरावट की ओर है। अप्रैल मध्य में इसकी कीमत 65,000 डॉलर के पार पहुंच गई थी।

चीन के सेंट्रल बैंक ने क्या कहा

पीपल्स बैंक ऑफ चाइना का कहना है कि वह क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग को बढ़ावा देने वाले फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस, पेमेंट कंपनियों और इंटरनेट कंपनियों पर पाबंदी लगाएगा और इस तरह की गतिविधियों से होने वाले जोखिम की निगरानी बढ़ाएगा। **Enigma Securities** के क्रिप्टोकरेंसी रिसर्च के हेड जोसेफ एडवर्ड्स ने कहा कि क्रिप्टो मार्केट कुल मिलाकर कमजोर स्थिति में है।

ट्विटर उपयोगकर्ताओं को बिटकॉइन टिप्स भेजने और प्राप्त करने की देगा अनुमति

सेन फ्रांसिस्को।

माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पहली बार इन-ऐप टिपिंग पेश किए जाने के चार महीने बाद, अपने टिप जार फीचर का बड़े पैमाने पर विस्तार कर रही है। एनगैजेट की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी विश्व स्तर पर अपने सभी उपयोगकर्ताओंके लिए टिपिंग खोल रही है और पहली बार उपयोगकर्ताओं को बिटकॉइन में सुझाव भेजने और प्राप्त करने की अनुमति देगी। इस अपडेट के साथ, दुनिया भर के ट्विटर उपयोगकर्ताओं के पास टिपिंग तक पहुंच होगी, जो उपयोगकर्ताओं को वेन्मो, कैश ऐप या बैंडकैंप, गोफंडमी और ब्राजीलियाई मोबाइल भुगतान प्लेटफॉर्म पिकपे जैसे ऐप के माध्यम से एक-दूसरे को नकद भेजने की अनुमति देता है। यूएस और अल साल्वाडोर में ट्विटर उपयोगकर्ताओं के पास बिटकॉइन लाइटनिंग नेटवर्क पर निर्मित एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को भुगतान ऐप स्ट्राइक के माध्यम से बिटकॉइन के साथ सुझाव भेजने और प्राप्त करने का अतिरिक्त विकल्प होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य देशों के लोग अपने बिटकॉइन एड्रेस के माध्यम से सुझाव प्राप्त कर सकेंगे। पारंपरिक, गैर-क्रिप्टो प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाली युक्तियों के साथ, ट्विटर उपयोगकर्ताओं के बीच आदान-प्रदान की युक्तियों में कटौती नहीं करेगा। टिपिंग शुक्रवार से ट्विटर के सभी आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए शुरू हो रही है, और आने वाले हफ्तों में एंड्रॉइड पर उपलब्ध हो जाएगी। कंपनी इस बदलाव को अपने प्लेटफॉर्म पर क्रिएटर्स को सशक्त बनाने के अपने हालिया काम के विस्तार के रूप में देखती है। यह कदम क्रिप्टोकरेंसी में ट्विटर का पहला बड़ा कदम भी है, जिसके संस्थापक जैक डोर्सी एक प्रमुख प्रस्तावक रहे हैं।

गूगल की याचिका कार्रवाई को विफल करने का प्रयास, सीसीआई ने अदालत से कहा

नयी दिल्ली,

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि गोपनीय जांच संबंधी सूचना के कथित तौर पर लीक के खिलाफ गूगल की याचिका पूरी तरह से गलत है और यह उसके द्वारा एंड्रायड स्मार्टफोन समझौतों से संबंधित कार्रवाई को विफल करने की कोशिश है। सीसीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमन ने कहा कि आयोग गोपनीयता बनाए रखने के कानूनी दायित्व के साथ खड़ा है और स्पष्ट किया कि निकाय के तरफ से कोई चूक नहीं हुई। उन्होंने कहा, ''एक सरकारी निकाय के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं और (गूगल के हलफनामे में) एक शब्द नहीं है कि ऐसा कब और कैसे किया गया... वे कार्यवाही को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर वे इससे नाराज हैं, तो उन्हें (मीडिया) के खिलाफ मुकदमा दायर करना चाहिए।'' वेंकटरमन ने कहा, ''वे इस प्रक्रिया को विफल करना चाहते हैं।'' उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि गूगल के एक अधिकारी ने सीसीआई अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा, ''हम आप पर मुकदमा करेंगे।'' न्यायमूर्ति रेखा पल्ली ने कहा कि वह गूगल द्वारा सीधे प्राधिकरण से संपर्क करने को उचित नहीं मानती हैं। न्यायाधीश ने कहा, ''अगर वह देश में काम करना चाहते हैं, तो उन्हें कानून जानना होगा। मैं इसकी सराहना नहीं करता.. अगर उन्हें अपने ऊपर पक्का भरोसा है, तो उन्हें रजिस्ट्रार (सीसीआई के) को पत्र लिखना चाहिए।'' गूगल का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि कथित रूप से लीक की गई जानकारी केवल महानिदेशक के पास थी।

गूगल ने बृहस्पतिवार को सीसीआई द्वारा उसके खिलाफ की गई जांच की गोपनीय रिपोर्ट के लीक होने के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में अपील की थी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इजरायल की ऑटो साइबर सुरक्षा फर्म के साथ करेगी हिस्सेदारी

सियोल।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपने बढ़ते ऑटो पार्ट्स व्यवसाय को मजबूत करने के लिए इजराइल स्थित ऑटोमोटिव साइबर सिक्योरिटी फर्म साइबेलम में हिस्सेदारी करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज ने कहा कि वह साइबेलम में 63.9 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी और इस साल के अंत तक हिस्सेदारी को और बढ़ाने की योजना बना रही है। इस्राइली फर्म की कीमत 140 मिलियन डॉलर है।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, टेक दिग्गज ने कहा कि उसे उम्मीद है कि निवेश साइबर सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देगा और अपने ऑटो पार्ट्स व्यवसाय में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएगा, जैसे कि इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल है।यह हिस्सेदारी तब हुई है जब दक्षिण कोरियाई घरेलू उपकरण निर्माता ने हाल ही में कनेक्टेड तकनीक और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन का उपयोग करने वाले नए वाहनों की बढ़ती मांग को देखते हुए अपने ऑटो पार्ट्स व्यवसाय में प्रयासों को दोगुना किया है। 2018 में, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने ऑस्ट्रियाई ऑटो लाइटिंग कंपनी जेडकेडब्ल्यू ग्रुप का अधिग्रहण किया। इस साल कनाडा की ऑटो पार्ट्स निर्माता मैग्ना इंटरनेशनल इंक के साथ इलेक्ट्रिक वाहन पावरट्रेन बनाने के लिए एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया है। अपने नए ऑटो कारोबार में बढ़ते निवेश के बीच, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने इस वर्षों के नुकसान के बाद जुलाई में अपने पारंपरिक मोबाइल फोन कारोबार को खत्म करने का फैसला किया।

आईपीएल 2021: आज से होंगे डबल हेडर मुकाबले, दिल्ली जीती तो पहुंच जाएगी प्लेऑफ में

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के मुकाबले 19 सितंबर से शुरू हुए थे. शनिवार से अब इस लीग में डबल हेडर मुकाबले शुरू हो रहे हैं. शनिवार को दोपहर 3:30 बजे से दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अबू धाबी में मैच खेला जाएगा. इस मुकाबले में अगर दिल्ली की टीम जीत हासिल करती है तो वह प्लेऑफ में पहुंच जाएगी.

पिछले सीजन में दिल्ली की टीम फाइनल में पहुंची थी. लेकिन उसे मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. मौजूदा सीजन में दिल्ली की टीम ने 9 में से 7 मुकाबले जीत लिए हैं. वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स की बात करें तो इस टीम ने 8 में से 4 मैचों में जीत हासिल की है. राजस्थान की टीम अंकतालिका में पांचवें पायदान पर है. पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब को 2 रनों से हराया था. राजस्थान की टीम ने 2008 के बाद आईपीएल का खिताब नहीं जीता है. दिल्ली कैपिटल्स की टीम राजस्थान रॉयल्स की अपेक्षा काफी मजबूत नजर आ रही है. दिल्ली की टीम के ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन इस सीजन में 400 से ज्यादा रन बना चुके हैं. पृथ्वी शॉ और ऋषभ पंत भी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं. वहीं राजस्थान की तरफ से अब तक कोई बल्लेबाज 300 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाया है.

राजस्थान के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं होने वाला है : नॉर्त्जे

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को होने वाला मुकाबला आसान नहीं होने वाला है। नॉर्त्जे ने साथ ही कहा कि टीम को अबु धाबी के वातावरण में जल्द ही ढलना होगा।

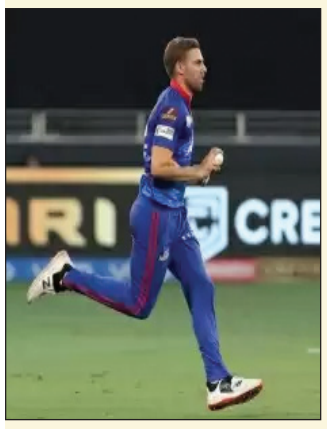

दिल्ली की टीम फिलहाल नौ मैचों में 14 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं।

नॉर्त्जे ने वर्चुअल प्रेस वार्ता में कहा, हमें जल्द ही अबु धाबी के वातावरण में ढलना होगा और देखना होगा कि हमें क्या करने की जरूरत है। यह मुकाबला आसान नहीं होने वाला है और गर्मी बड़ा कारण होगी। उम्मीद करता हूं कि हम अपनी प्रतिभा पर नियंत्रण रख सकेंगे और उस चीज पर ध्यान केंद्रित करेंगे जहां हमें जरूरत है। टूर्नामेंट में सबसे तेज 151.71 किमी प्रति घंटा के साथ आईपीएल 2021 सीजन की शीर्ष आठ सबसे तेज डिलीवरी दर्ज करने वाले नॉर्त्जे ने खुलासा किया कि वह गेंदबाजी करते समय उच्च गति की खोज नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा, मैं मैदान पर गेंदबाजी की गति के बारे में नहीं सोचता लेकिन जब मैं अपनी ताकत का प्रशिक्षण कर रहा होता हूं तो मैं इसके बारे में सोचता हूं। हाई स्पीड ऐसी चीज नहीं है जिसे मैं मैदान पर ढूंढता हूं। मैं खेल के दौरान गेंदबाजी करते समय सही लेंथ पर हिट करने की कोशिश करता हूं। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में पूछे जाने पर नॉर्त्जे ने कहा, हमारे टीम में पोंटिंग का होना बहुत अच्छा है। मुझे उनकी चैट पसंद है और वह चीजों को बहुत अच्छी तरह से बताते हैं और सब कुछ समझने में आसान बनाते हैं। वह जो चाहते हैं उस पर काफी स्पष्ट है। मैं उनसे जितना हो सके सीखने की कोशिश कर रहा हूं। हमें उनके साथ काम करने में मजा आता है।

वेस्टइंडीज ने प्रतिबद्धता को लेकर पाकिस्तान को आश्वस्त किया

एंटिगा। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को आश्वासन दिया कि वह इस साल दिसंबर में अपने दौरे की प्रतिबद्धता का सम्मान करने की योजना बना रहा है। सीड्ब्ल्यूआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि कैरिबियन में खेल के शासी निकाय का दौरे के दायित्वों को पूरा नहीं करने का कोई इरादा नहीं है। ग्रेव ने त्रिनिदाद न्यूजडे के हवाले से कहा, हमारा इरादा अपने दौरे के दायित्वों को पूरा करना है। हमारे पास एक बहुत स्पष्ट प्रक्रिया है जिसे हम स्वतंत्र सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ करते हैं, जैसा कि हमने 2018 में किया था। तीन साल पहले, जेसन मोहम्मद के नेतृत्व में वेस्टइंडीज की टीम ने कराची में तीन टी20 मैचों के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था।

ग्रेव ने कहा, हम उस प्रक्रिया का पालन करेंगे, निदेशक मंडल, डब्ल्यूआईपीए (वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन), साथ ही खिलाड़ी स्वयं योजनाओं और हमारी रिपोर्ट की समीक्षा करेंगे, जिसमें स्वतंत्र सुरक्षा सलाह भी शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान में हमारे अधिकांश महिला और पुरुष खिलाड़ी खेल चुके हैं। ग्रेव ने कहा, हम पहले प्रक्रिया से गुजरेंगे, पीसीबी और सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ। हम खिलाड़ियों के साथ किसी भी सवाल का जवाब देने और उन्हें सारी जानकारी देने के लिए बैठक करेंगे। हम अभी उस प्रक्रिया की शुरूआत में हैं। वेस्टइंडीज को पाकिस्तान में तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं।

आईपीएल 2021: अब दूसरी टीमों का खेल बिगाड़ेगी सनराइजर्स हैदराबाद, पहले निशाने पर केएल राहुल की टीम

दुबई (एजेंसी)।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है. अब ये टीम दूसरी टीमों के समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगी. पहले निशाने पर पंजाब की टीम होगी जिसके खिलाफ शनिवार को उसका मैच होना है. इस सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद ने 8 मैच खेले हैं जिसमें से उसने केवल एक ही मुकाबले में जीत हासिल की है और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अंकतालिका में 2 अंकों के सबसे निचले पायदान पर चल रही है.

पंजाब किंग्स को अगर प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे बाकी बचे सभी मैचों में जीत हासिल करनी होगी. राजस्थान रॉयल्स के विरुद्ध खेले गए मुकाबले में पंजाब की जीत नजर आ रही थी. लेकिन आखिरी गेंद पर उसने 2 रन से मुकाबला गंवा दिया. पंजाब की टीम फिलहाल 6 अंकों के साथ सातवें पायदान पर बनी हुई है.

पंजाब की टीम का मैच के आखिरी क्षणों में इस तरह से मुकाबला गंवा देना उस पर भारी पड़ रहा है. पिछले मैच में पंजाब की टीम को आखिरी ओवर में जीत के लिए 4 रन की जरूरत थी. लेकिन टीम ऐसा भी नहीं कर पाई और 2 रन से मुकाबला हार गई. पंजाब किंग्स के पास मोहम्मद शमी जैसे दिग्गज अनुभवी गेंदबाज हैं. इस टीम में केएल राहुल और मयंक अग्रवाल जैसे बेहतरीन ओपनर बल्लेबाज हैं.

महिला क्रिकेट: रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5 विकेट से हराया

मकाय (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (नाबाद 125) रनों की शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने यहां हारुप पार्क में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में भारतीय महिला टीम को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लेनिंग ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 274 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मूनी के 133 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से नाबाद 125 रनों की पारी के दम पर 50 ओवर में पांच विकेट पर 275 रन बनाकर मैच जीत लिया।

भारत की ओर से झूलन गोस्वामी, मेघना सिंह, पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में एलिसा हेली (0) का विकेट गंवाया। इसके तुरंत बाद कप्तान लेनिंग (6) भी आउट हो गईं। फिर एलिसे पेरी (2) और एश्ले गार्डनर (12) के रूप में ऑस्ट्रेलिया को चौथा झटका लगा। इस वक्त लग रहा था कि भारतीय टीम आसानी से इस मुकाबले को जीत लेगी लेकिन मूनी ने ताहलिया मैक्ग्राथ के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया को संकट से उबारा।

मूनी और मैक्ग्राथ ने पांचवें विकेट के लिए 126 रनों की साझेदारी कर भारत के लिए मुश्किल खड़ी कर दी। हालांकि, इस

साझेदारी को दीप्ति ने मैक्ग्राथ को आउट कर तोड़ा जिन्होंने 77 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 74 रन बनाए। इसके बाद मूनी ने निकोला कैरी के साथ पारी आगे बढ़ाई और मुकाबले को अंतिम ओवर तक ले गईं। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए एक गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी लेकिन झूलन ने नॉ बॉल फेंकी और ऑस्ट्रेलिया को एक रन मिला। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए एक गेंद पर दो रन की जरूरत थी और उसने लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम किया। कैरी 38 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 39 रन बनाकर नाबाद रहीं।

इससे पहले, सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा ने भारतीय टीम को शानदार शुरूआत दिलाई और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 74 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को सोफी मोलिन्यूक्स ने शैफाली (22) को आउट कर तोड़ा। इसके बाद भारत ने कप्तान मिताली राज (8) और यास्तिका भाटिया (3) के विकेट जल्द गंवा दिए।

विकेटकीपर ऋचा घोष के साथ मंधाना ने पारी को आगे बढ़ाया और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी की और टीम को दबाव से निकाला। मंधाना शतक से चूक गईं और 94 गेंदो पर 11 चौकों की मदद से 86 रन बना कर आउट हो गई। इसके बाद ऋचा भी पांचवें बल्लेबाज के रुप में 50 गेंदो पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुई। फिर दीप्ति (23) और पूजा (29) रन बनाकर पवेलियन लौटीं जबकि झूलन 25 गेंदो पर तीन चौकों की मदद से 28 रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैक्ग्राथ ने तीन, मोलिन्यूक्स ने दो जबकि डार्सी ब्राउन ने एक विकेट लिया।

आईपीएल 2021 : उमरान मलिक नटराजन के कोविड रिप्लेसमेंट के तौर पर हैदराबाद से जुड़े

दुबई (एजेंसी)।

सनराइजर्स हैदराबाद ने कोरोना पॉजिटिव पाए गए टी. नजराजन की जगह तेज गेंदबाज उमरान मलिक को शॉर्ट टर्म रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है।

नियम के अनुसार, फ्रेंचाइजी को एक अल्पकालिक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को लेने की अनुमति है जब तक कि मूल टीम के सदस्य को टीम के बायो-बबल वातावरण में फिर से प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाती है।

मलिक तब तक टीम के साथ रहेंगे जब तक नटराजन पूरी तरह से ठीक होने के बाद टीम के साथ दोबारा नहीं जुड़े जाएं।

21 वर्षीय मलिक ने इस साल जम्मू-कश्मीर के लिए टी20 और लिस्ट ए डेब्यू किया था। उन्होंने बंगाल के खिलाफ लिस्ट ए डेब्यू में एक विकेट लिया था। मलिक् पहले से ही नेट गेंदबाज के तौर पर हैदराबाद टीम का हिस्सा हैं।

हैदराबाद की टीम फिलहाल आठ मैचों में दो अंक लेकर अंक तालिका में निचले पायदान पर है। हैदराबाद का मुकाबला अब शनिवार को शारजाह में पंजाब किंग्स से होगा।

टोक्यो की सफलता के बाद आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहता हूं: सिमरनजीत

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह ने कहा है कि टोक्यो ओलंपिक में मिली सफलता के बाद वह राष्ट्रीय शिविर में जाकर खुद को आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रखना चाहते हैं। सिमरनजीत टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा थे। सिमरनजीत ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं। टोक्यो में मेरा अनुभव अच्छा रहा और मेरा लक्ष्य अपनी भूमिका का सही तरह से उपयोग करना था। मैं अब शिविर में वापस जाने का इंतजार कर रहा हूं जिससे अपने प्रदर्शन का विशलेषण कर सकूं और समझ सकूं कि किस विभाग में सुधार करना है। सिमरनजीत भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा रहे हैं जिन्होंने 2016 में लखनऊ में एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप जीता था। उन्होंने कहा, लखनऊ में मिली उस जीत ने हमारा जीवन बदला। यह हमारे लिए मील का पत्थर साबित हुआ। मुझे लगता है कि अभी भी काफी कुछ है जिसमें हमें सुधार करना है। सिमरनजीत ने कहा, मुझे खुशी है कि कोरोना के कारण करीब दो साल तक कोई एक्शन नहीं होने के बाद अब भारत में हॉकी लौट रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट का आनंद लेंगे और मैं उन्हें गुड लक कहना चाहता हूं।

महिला क्रिकेट: नाइट का शानदार शतक, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराया

डर्बी। हीथर नाइट (101) के शानदार शतक के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने यहां काउंटी ग्राउंड में खेले गए पांच मैचों की सीरीज के चौथे वनडे मैच में न्यूजीलैंड की महिला टीम को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली।

इंग्लैंड की कप्तान ने टॉस जीत कर न्यूजीलैंड को बल्लेबाजी का निमंत्रण दिया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 244 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 49.3 गेंदो में सात विकेट पर 245 रन बनाए और मैच को जीत लिया। न्यूजीलैंड की और से हनाह रोव ने चार, कप्तान सोफी डिवाइन दो और एमी सैथरथवेट ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने सधी हुई शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज लौरेन विनफील्ड हिल (33) और टैमी ब्यूमोंट (16) ने पहले विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड को पहला झटका रोव ने विनफील्ड को आउट कर दिया। तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आई कप्तान नाइट ने शतकीय पारी खेलते हुए 107 गेंदो में दस चौकों की मदद से 101 रन बनाए। नाइट के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज एमी एल्लेन जोन्स ने 40 रनों की पारी खेली। इससे पहले, न्यूजीलैंड की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज केटी मार्टिन ने 83 गेंदों में सात चौकों की मदद से सर्वाधिक नाबाद 65 रन की पारी खेली। केटी ने अलावा सैथरथवेट ने 86 गेंदो में चार चौकों की मदद से 54 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन ने तीन जबकि अन्या शर्बसोल और फ्रेया डेवीस ने दो-दो विकेट अपने नाम किए। अब दोनो टीमों के बीच सीरीज का अंतिम मुकाबला 26 सितम्बर को खेला जाएगा।

हार्दिक पांड्या के फिट होने की राह देखने में कहीं मुंबई इंडियन्स के लिए देर ना हो जाए

अबुधाबी (एजेंसी)।

जब आईपीएल 2021 का दूसरा भाग शुरु हुआ था तो मुंबई इंडियन्स टॉप 4 टीमों में शुमार थी लेकिन दो मैच बाद ही पासा पलट गया और अब मुंबई इंडियन्स सातवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियन्स साल 2020 में संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आईपीएल की विजेता थी। लेकिन आईपीएल 2021 के दूसरे भाग में यूएई टीम को खास रास नहीं आया है। इसकी एक वजह ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की गैर मौजूदगी भी है।

हार्दिक पांड्या इस सत्र के दोनों मैचों में ही मुंबई इंडियन्स की टीम से फिटनेस के कारण नहीं खेल पाए थे। चेन्नई सुपर किंग्स और फिर कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों ही टीमों के खिलाफ मुंबई को हार का स्वाद चखना पड़ा। मैच ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ था कि अगर हार्दिक पांड्या क्रीज पर होते तो मुंबई कुछ और रन जोड़ लेती।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुंबई 20 रनों से हारी। निचले क्रम के बल्लेबाज जिताने वाले रन नहीं बना पाए। वहीं कोलकाता के खिलाफ अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गिरने के कारण 155 पर मुंबई की पारी रुक गई। हार्दिक होते तो कम से कम इस स्कोर में 20 रन और जुड़ जाते।

हालांकि कल के हुए मुकाबले में यह 20 रन भी मुंबई को जिताने में नाकाफी होते क्योंकि कोलकाता के बल्लेबाजों ने काफी तेजी से रन बनाए थे और 180-185 का स्कोर भी आसानी से चेस कर जाते।

लेकिन आने वाले मैचों में हार्दिक पांड्या की कमी गेंद और बल्ले से मुंबई को खल सकती है। क्योंकि अब मुंबई को पहले टॉप 4 में आना है और फिर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाय करना है।

हार्दिक को लेकर मुंबई नहीं करेगी कोई जल्दबाजी

मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच शेन बांड ने कहा कि आलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी फिटनेस हासिल करके खेलने की स्थिति में पहुंचने के करीब हैं लेकिन उनकी फ्रेंचाइजी टीम भारतीय टीम की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें मैदान में उतारने में जल्दबाजी नहीं दिखाएगी।

पिछले साल पीठ के आपरेशन के बाद पंड्या ने बमुश्किल गेंदबाजी की है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दो मैचों में नहीं खेल पाये लेकिन बांड ने कहा कि यह आलराउंडर अच्छा अभ्यास कर रहा है और उन्हें टूर्नामेंट के आखिरी मैचों में अवसर मिल सकता है।

बांड ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हार्दिक भी रोहित की तरह अच्छा अभ्यास कर रहा है। वह खेलने की स्थिति में पहुंचने के करीब है। हम भारतीय टीम की जरूरतों के साथ अपनी टीम की जरूरतों में भी संतुलन बिठा रहे हैं।''

मुंबई इंडियन्स को गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में केकेआर से सात विकेट से हार झेलनी पड़ी। इससे पहले उसे टूर्नामेंट की बहाली के बाद अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से 20 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था।

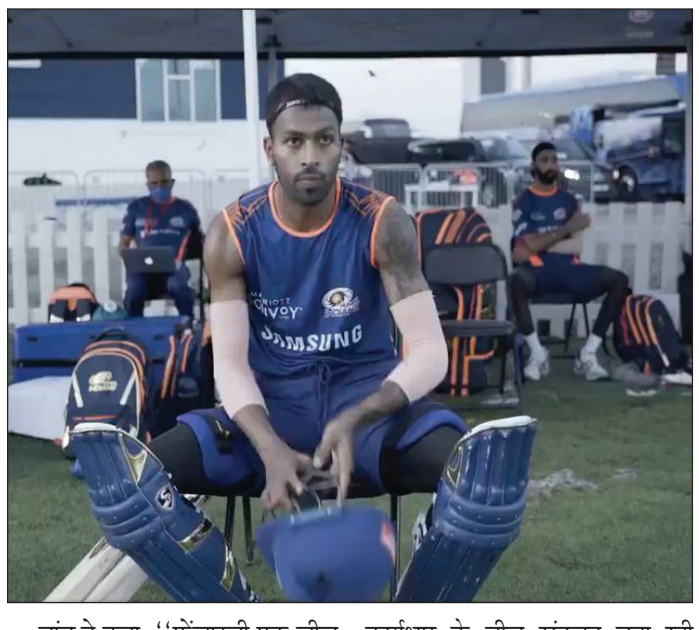

बांड ने कहा, ''फ्रेंचाइजी एक चीज बहुत अच्छी तरह से कर रही है। उसकी निगाह न सिर्फ इस टूर्नामेंट को जीतने पर है बल्कि वह इसके बाद होने वाले टी20 विश्व कप को भी ध्यान में रखकर भी अपने खिलाड़ियों के कार्यभार के बीच संतुलन बना रही है।''

उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि हार्दिक अगले मैच में वापसी करेगा। जैसे मैंने पहले कहा कि उन्होंने आज भी अच्छा अभ्यास किया।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खांसी, अस्थमा, बवासीर, चर्मरोगों, पीलिया, पेशाब संबंधी रोगों, ल्यूकोरिया आदि के उपचार हेतु भी किया जाता है। मधुमेह के उपचार में भी यह काफी प्रभावी सिद्ध हुआ है।

ज्यादा मुनाफे के लिए सफ़ेद मुसली की खेती कीजिये...

सफेद मूसली उगाने के लिए जलवायु

सफेद मूसली मूलतः गर्म तथा आर्द्र प्रदेश का पौधा है। पूरे भारत वर्ष में इसकी खेती की जाती है।

सफेद मूसली के खेत की तैयारी

सफेद मूसली 8-9 महीनें की फसल है जिसे मानसून में लगाकर फरवरी-मार्च में खोद लिया जाता है। अच्छी खेती के लिए यह आवश्यक हे कि खेतों की गर्मी में गहरी जुताई की जाय, अगर सम्भव हो तो हरी खाद के लिए ढ़ैचा, सनइ, ग्वारफली बो दें।

जब पौधो में फूल आने लगे तो काटकर खेत में डालकर मिला दें। गोबर की सड़ी खाद 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में मिला दें। खेतों में बेड्स एक मीटर चैड़ा तथा एक फीट ऊँचा बनाकर 30 सेमी. की दूरी पर कतार बनाये, जिसमें 15 से.मी. की दूरी पर पौधे को लगाते हैं। बेड्स बनाने के पूर्व 300-350 किलो प्रति हेक्टिेयर की दर से नीम या करंज की खल्ली मिला दें।

बीज उपचार एवं रोपण

बुवाई के पहले बीज का उपचार रासायनिक एवं जैविक विधि से करते हैं । रासायनिक विधि में वेविस्टीन के 0.1 प्रतिशत घोल में ट्यूबर्स को उपचारित किया जाता है। जैविक विधि से गोमूत्र एवं पानी (1:10) में 1 से 2 घंटे तक ट्यूबर्स को डुबोकर रखा जाता है। बुआई के लिये गड्ढे बना दिये जाते हैं। गड्ढे की गहराई उतनी होनी चाहिए जितनी बीजों की लम्बाई हो, बीजों का रोपण इन गड्ढों में कर हल्की मिट्टी डालकर भर दें ।

सफेद मुसली की सिंचाई एवं निकाई-गुड़ाई

रोपाई के बाद ड्रिप द्वार सिंचाई करें। बुआई के 7 से 10 दिन के अन्दर यह उगना प्रारम्भ हो जाता हैं। उगने के 75 से 80 दिन तक अच्छी प्रकार बढ़ने के बाद सितम्बर के अंत में पत्ते पीले होकर सुखने लगते हैं तथा 100 दिन के उपरान्त पत्ते गिर जाते हैं। फिर जनवरी फरवरी में जड़ें उखाड़ी जाती हैं।

सफेद मुसली की किस्में

सफेद मुसली की कई किस्में देश में पायी जाती हैं। उत्पादन एवं गुणवत्ता की दृष्टि से एम डी बी 13 एवं एम डी बी 14 किस्म अच्छी है। इस किस्म का छिलका उतारना आसान होता है। बस किस्म में उपर से नीचे तक जड़ो या टयूबर्स की मोटाई एक समान होती है। एक साथ कई ट्यूबर्स (2-50) गुच्छे के रूप में पाये जाते हैं।

मूसली बरसात में लगायी जाती है। नियमित वर्षा से सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ती है। अनियमित मानसून में 10-12 दिन में एक सिंचाई दें। अक्टूबर के बाद 20-21 दिनों पर हल्की सिंचाई करते रहना चाहिए। मूसली उखाडने के पूर्व तक खेती में नमी बनाए रखें।

जल भराव अथवा आवश्यकता से अधिक सिंचाई के कारण जड़ों के गलन का रोग हो सकता है । इसकी रोकथाम के लिए आगे सिंचाई देना बंद करके तथा रूके हुए पानी को बाहर निकाल करके इस रोग पर काबू पाया जा सकता है। फंगस के रूप में पौधों पर 'फ्यूजेरिम' का प्रकोप हो सकता हैं। जिसके उपचार हेतु टायकाडर्मा बिरडी का उपयोग किया जा सकता है। दीमक से सुरक्षा हेतु नीम की खली का उपयोग सर्वश्रेष्ठ पाया गया है। एक सुरक्षा के उपाय के रूप में कम से कम 15 दिन में एक बार फसल पर गौमूत्र के घोल का छिड़काव अवश्य कर दिया जाना चाहिए।

मूसली खोदने (हारवेस्टिंग)

मूसली को जमीन से खोदने का सर्वाधिक उपयुक्त समय नवम्बर के बाद का होता है। जब तक मूसली का छिलका कठोर न हो जाए तथा इसका सफेद रंग बदलकर गहरा भूरा न हो तब तक जमीन से नहीं निकालें। मूसली को उखाडने का समय फरवरी के अंत तक है।

बीज या प्लान्टिंग मेटेरियल हेतु मूसली का संग्रहण

यदि मूसली का उपयोग प्लांटिगं मेटेरियल के रूप में करना हो तो इसे मार्च माह में ही खोदना चाहिए। इस समय मूसली को जमीन से खोदने के उपरान्त इसका कुछ भाग तो प्रक्रियाकृत (छीलकर सुखाना) कर लिया जाता है। जबकि कुछ भाग अगले सीजन मेंबीज (प्लांटिग मेंटेरियल) के रूप मेंप्रयुक्त करने हेतु अथवा बेचने हेतु रख लिया जाता है।

मूसली की खेती से उपज की प्राप्ति-यदि 4 क्विंटल बीज प्रति प्रति एकड़ प्रयुक्त किया जाए तो लगभग 20 से 24 क्विंटल के करीब गीली मूसली प्राप्त होगी। किसान का प्रति एकड़ औसतन 15-16 क्विंटल गीली जड़ के उत्पादन की अपेक्षा करनी चाहिए।

मूसली की श्रेणीकरण (बाजारीकरण)

अ श्रेणीः यह देखने में लंबी. मोटी, कड़क तथा सफेद होती है। दातों से दबाने पर दातों पर यह चिपक जाती है। बाजार में प्रायः इसका भाव 1000-1500 रू. प्रति किलोग्राम तक मिल सकता है।

स श्रेणीः प्रायः इस श्रेणी की मूसली साइज में काफी छोटी तथा पतली एवं भूरे-काले रंग की होती हैं। बाजार में इस श्रेणी की मूसली की औसतन दर 200 से 300 रू. प्रति कि.ग्रा. तक होती है।

ब श्रेणीः इस श्रेणी की मूसली स श्रेणी की मूसली से कुछ अच्छी तथा अ श्रेणी से हल्की होती है। प्रायः स श्रेणी में से चुनी हुई अथवा अ श्रेणी में से रिजेक्ट की हुई होती है बाजार में इसका भाव 700-800 रू. प्रति कि.ग्रा. तक (औसतन 500 रू. प्रति कि.ग्रा.) मिल सकता है।

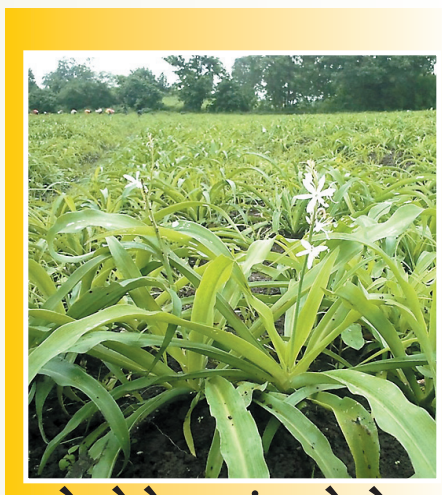

खोदने के उपरांत इसे दो कार्यों हेतु प्रयुक्त किया जाता है

1 बीज हेतु रखना य बेचना

2 इसे छीलकर सुखा कर बेचना

3 बीज के रूप में रखने के लिये खोदने के 1-2 दिन तक कंदो का छाया में रहने दें ताकि अतरिक्त नमी कम हो जाए फिर कवकरोधी दवा से उपचारित कर रेत के गड्ढों, कोल्ड एयर, कोल्ड चेम्बर में रखे।

4 सुखाकर बेचने के लिये फिंगस को अलग-अलग कर चाकू अथवा पीलर की सहायता से छिलका उतार कर धूप में 3-4 दिन रखा जाता है। अच्छी प्रकार सूख जाने पर बैग में पैक कर बाजार भेज देते है।

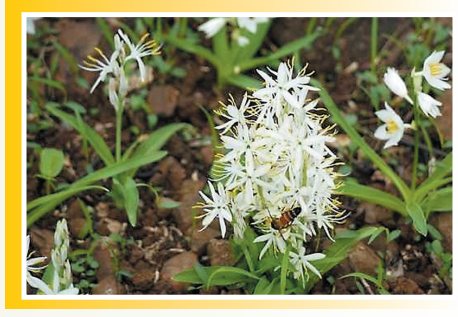

मशरुम की खेती

मशरुम की उपयोगिता

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है। आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत= 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है। प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ =- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

कूड़ा खाद तैयार करना : कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अतः, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई : थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

क्यूब तैयार करने का कक्ष : एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठमायन कक्षः उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष : एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयतः सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयतः सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयतः दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि : भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-टुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुनः स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकार खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए। पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है। अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए।

आवश्यक सामान

1. धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।
2. 400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।
3. लकड़ी के सांचे - 45ङ्क30ङ्क15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44ङ्क29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।
4. तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।
5. तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)
6. जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां
7. टाट के बोरे
8. स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।
9. एक स्प्रेयर
10. तिनकों के भंडारण के लिए शेड 10ङ्क8 मी. आकार का।

सार समाचार

कोविड के कारण नोबेल पुरस्कार समारोह फिर से रद्द किया गया

स्टॉकहोम। नोबेल फाउंडेशन ने घोषणा की है कि मौजूदा कोविड -19 महामारी की अनिश्चितता के कारण, इस वर्ष के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को उनके गृह देशों में दूसरे वर्ष के लिए उनके पुरस्कार प्राप्त होंगे। समाचार एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में फाउंडेशन के हवाले से कहा कि पारंपरिक भोज रद्द कर दिया जाएगा, लेकिन पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर को स्टॉकहोम के सिटी हॉल में स्थानीय दर्शकों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का प्रसारण टीवी और नोबेल फाउंडेशन के सोशल मीडिया चैनलों पर किया जाएगा। नोबेल फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक विदर हेलगेसन ने बयान में कहा कि मुझे लगता है कि हर कोई चाहता है कि कोविड -19 महामारी खत्म हो जाए, लेकिन हम अभी उस हालत में नहीं हैं। नोबेल पुरस्कार एक वैश्विक घटना है। हर साल, विभिन्न महाद्वीपों के पुरस्कार विजेताओं का चयन किया जाता है। महामारी और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा संभावनाओं के बारे में अनिश्चितता के कारण 2021 के पुरस्कार विजेताओं को अपने घरेलू देशों में अपने पदक और डिप्लोमा के साथ प्राप्त होंगे। हेल्गेसन ने कहा कि चूंकि हमारे पारंपरिक कार्यक्रम नए आकार लेते हैं, हम नए प्रारूपों और डिजिटल समाधानों का उपयोग करके दुनिया भर में और भी अधिक लोगों तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। ज्ञान, प्रेरणा और आशा का प्रसार करना ही नोबेल पुरस्कार का अर्थ है।

यूएस डीएचएस ने प्रवासियों के प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार के बाद घोड़े की गश्त को निलंबित किया

वाशिंगटन। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने घोषणा की है कि उन्होंने टेक्सास शहर डेल रियो में घोड़े की गश्त को निलंबित कर दिया है, जो कि मैक्सिको की सीमा पर है। यह एक ऐसा कदम है जो सीमा गश्ती एजेंटों के हाईटियन प्रवासियों के शत्रुतापूर्ण व्यवहार पर सार्वजनिक आक्रोश के बीच आया है। समाचार एजेंसी ने सीएनएन की एक रिपोर्ट के हवाले से डीएचएस के एक अधिकारी का हवाला देते हुए कहा, हमने डेल रियो में अस्थायी रूप से घोड़े की गश्ती का उपयोग बंद कर दिया है। हम ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने के लिए अन्य तरीकों को प्राथमिकता देंगे जो चिकित्सा संकट में हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि एजेंसी मेक्सिको की सरकार और अमेरिकी सरकार में हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि उस धागे को खींचने की कोशिश की जा सके और देखें कि हम उन संगठित आंदोलनों में दृश्यता कैसे बढ़ा सकते हैं। हाउस होमलैंड सिक्योरिटी कमेटी, जिसने प्रवासन संकट पर सुनवाई के दौरान बुधवार को डीएचएस सचिव एलेजांद्रो मेयरकास को ग्रिल किया, उसने घोड़े की गश्त के निलंबन को एक अच्छा कदम कहा। मेयरकास ने पैनल को बताया कि घटना में शामिल एजेंटों की एक अज्ञात संख्या को प्रशासनिक ड्यूटी पर रखा गया था, इस बीच यह वचन दिया गया कि जांच कुछ दिनों के भीतर समाप्त हो जाएगी। निष्कासन पर मीडिया पूछताछ के जवाब में, डीएचएस ने कहा कि 12 प्रत्यावर्तन उड़ानें रविवार और बुधवार के बीच अमेरिका से रवाना हुईं और 1,401 हैतियन नागरिक अपने देश लौट आए।

मेलबर्न के विरोध प्रदर्शन से कोविड के प्रकोप में आ सकती है तेजी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में, कोविड -19 मामलों की बढ़ती संख्या से जूझ रहे स्वास्थ्य कर्मियों का मानना है कि राज्य की राजधानी मेलबर्न में हिंसक विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला और भी बदतर प्रकोप को ट्रिगर कर सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार की सुबह, आंसू गैस और रबर की गोलियों से लैस पुलिस दंगा दस्ते पिछले चार दिनों से शहर की सड़कों पर दंगे करने वाले प्रदर्शनकारियों के साथ आगे की झड़प के लिए तैयार है। निर्माण श्रमिकों पर लगाए गए टीके जनादेश द्वारा प्रदर्शनों को चिंगारी दी गई थी, लेकिन जल्दी ही शहर में चल रहे तालाबंदी के साथ-साथ टीकाकरण का विरोध करने वाले लोगों के खिलाफ रोष के व्यापक प्रदर्शन में विकसित हो गए। चूंकि बुधवार को प्रदर्शनकारियों में से एक को कोविड -19 के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था, इस संभावना को बढ़ाते हुए कि अत्यधिक पारगम्य डेल्टा वेरिएंट के लिए बारीकी से भरी भीड़ सुपर-स्प्रेडर्स बन जाएगी। पूरे विक्टोरिया में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ विरोध प्रदर्शनों की व्यापक रूप से निंदा की गई है, जो अपने आंकड़ो से जूझ रहे हैं, इस प्रकार उनकी निराशा की आवाज़ उठा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान के अस्पतालों को ईंधन उपलब्ध कराने के लिए आपातकालीन योजना शुरू की

बेरुत। संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान के सभी सार्वजनिक अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों और सबसे कमजोर समुदायों की सेवा करने वाले औषधालयों को ईंधन उपलब्ध कराने के लिए तीन महीने की आपातकालीन योजना शुरू की है। लेबनान के लिए संयुक्त राष्ट्र के उप विशेष समन्वयक नजत रोचदी ने एक बयान में कहा कि योजना का उद्देश्य सबसे कमजोर आबादी के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य, पानी और स्वच्छता सेवाओं को बनाए रखना और मानवीय अभिनेताओं द्वारा लागू की गई जीवन रक्षा गतिविधियों को रोकना है। स्वास्थ्य और वॉश मुद्दों पर काम कर रहे यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से विकसित यह योजना, वित्तीय सहायता के साथ अगस्त की शुरूआत में शुरू की गई व्यापक संयुक्त राष्ट्र समन्वित आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना का हिस्सा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा संकट से प्रभावित सबसे कमजोर लेबनानी और प्रवासियों को महत्वपूर्ण जीवन रक्षक मानवीय सहायता के रूप में 383 मिलियन डॉलर प्रदान किए गए। रोचडी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र का हस्तक्षेप अस्थायी है क्योंकि बुनियादी सेवाओं के निर्बाध प्रावधान को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेबनान सरकार की है।

भारत की कोविशील्ड को नहीं दी मान्यता! इस देश ने यूरोपीय देशों की आलोचना की

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

घाना के राष्ट्रपति नाना अडो डंकवा अकुफो-अडो ने यात्रियों के लिए भारत में निर्मित कोविड-19 रोधी टीके 'कोविशील्ड'को ''यूरोप के कुछ देशों'' से मान्यता नहीं मिलने को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' करार दिया और कहा कि यह आव्रजन नियंत्रण के लिए एक उपकरण के रूप में टीकों का सहारा लेना '' वास्तव में प्रतिगामी कदम'' होगा। 'कोविशील्ड' को मान्यता ना देने पर भारत की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद ब्रिटेन सरकार ने भारत-निर्मित
ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका कोविड-19 रोधी टीके 'कोविशील्ड'को बधवार को अद्यतन अंतरराष्ट्रीय यात्रा परामर्श में शामिल कर लिया। ब्रिटेन के अधिकारियों ने बुधवार को स्पष्ट किया था कि 'कोविशील्ड' की दोनों खुराक ले चुके भारतीय यात्रियों को ब्रिटेन में अब भी दस दिनों के पृथक-वास में रहना होगा। उन्होंने कहा था कि मुख्य मुद्दा टीकाकरण प्रमाणन है, न कि 'कोविशील्ड' टीका और भारत तथा ब्रिटेन दोनों इस मामले को पारस्परिक रूप से हल करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अकुफो-अडो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र को बुधवार को संबोधित करते हुए कहा कि एक दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम में यूरोप के कुछ देशों ने हाल ही में भारत में निर्मित ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका 'कोविशील्ड' टीके को मान्यता नहीं दी। उन्होंने कहा, '' दिलचस्प बात यह है कि इन्हीं टीकों को अफ्रीकी देशों को 'कोवैक्स' पहल के माध्यम से दान किया गया। आव्रजन नियंत्रण के लिए एक उपकरण के रूप में टीकों का उपयोग वास्तव में एक प्रतिगामी कदम होगा।''

ब्रिटेन के सांसद ने कश्मीर पर कहा, सैनिकों की वापसी पर इस्लामी ताकतें खत्म कर देंगी लोकतंत्र

ब्रिटेन (एजेंसी)।

जब से अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हुआ है उसके बाद से कई देश इस पर चिंता जता चुके हैं। भारत की लगातार अपनी सुरक्षा खासकर कश्मीर को लेकर लगातार चिंता जता रहा है। अफगानिस्तान की हर घटना पर भारत पैनी नजर रखे हुए हैं और इस मामले को विश्व स्तर पर उठा रहा है। इन सबके बीच ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने बड़ा बयान दिया है। बॉब ब्लैकमैन ने हाउस ऑफ कॉमंस में कहा कि इस्लामी ताकतें कश्मीर में लोकतंत्र को खत्म कर देगी जैसा कि हमने अफगानिस्तान में देखा।

दरअसल, बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटेन के सांसद डेबी अब्राहम और पाकिस्तान मूल की सांसद यासमीन कुरैशी द्वारा पेश हाउस ऑफ कॉमर्स में कश्मीर में मानवाधिकार की स्थिति पर हो रही बहस का जवाब दे रहे थे। बहस के जवाब में बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि जरा सोचिए, अफगानिस्तान में अभी क्या हुआ है। जिस तरह से वहां सैनिकों को वापस लिया गया उसके बाद वहां सुरक्षा की स्थिति नहीं थी। अगर सुरक्षा नहीं होगी जम्मू और कश्मीर की दुर्दशा अफगानिस्तान के समान होगी, जिसमें इस्लामी ताकतें आ रही हैं और इस क्षेत्र में लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही हैं।

सांसद ने साफ तौर पर कहा कि अगर भारतीय सैनिकों को वापस किया जाता है तो इस्लामिक ताकतें जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र को खत्म कर देंगी जैसा कि हमने अफगानिस्तान में देखा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारतीय सेना ही जम्मू कश्मीर को तालिबान का अफगानिस्तान बनने से रोक सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और भारतीय सैन्य वहां की लोकतंत्र की मजबूत नींव है जिसने जम्मू कश्मीर को तालिबान बनने से रोक रखा है। उन्होंने कहा कि वह लोग ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि यह क्षेत्र कानूनी रूप से भारत गणराज्य का एक अभिन्न हिस्सा है।

नए हिंद-प्रशांत सुरक्षा गठबंधन को लेकर अब भी नाराज है फ्रांस, बढ़ा तनाव

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और फ्रांस के उनके समकक्ष एमैनुअल मैक्रों के बीच इस हफ्ते फोन पर बातचीत से संभावना है कि नए हिंद-प्रशांत गठबंधन से फ्रांस को बाहर रखे जाने और पनडुब्बी समझौता रद्द होने पर उसकी नाराजगी थोड़ी कम हुई हो। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि नए गठबंधन को लेकर फ्रांस का गुस्सा अब भी जस का तस बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से बृहस्पतिवार को मुलाकात के बाद फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां इव लि द्रीयां ने इस स्थिति को ''संकट'' करार दिया जिससे उबरने में वक्त लगेगा। दरअसल, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने नए हिंद-प्रशांत सुरक्षा गठबंधन से फ्रांस को अलग रखा है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने नए त्रिपक्षीय सुरक्षा गठबंधन 'ऑकस' की घोषणा की है।फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया के बीच डीजल पनडुब्बियों के निर्माण के लिए करीब 100 अरब डॉलर का सौदा हुआ था। नई ऑकस पहल की शर्तों के तहत ऑस्ट्रेलिया के लिए डीजल पनडुब्बियों के निर्माण का यह सौदा समाप्त हो जाएगा, जिससे फ्रांस नाखुश है। लि द्रीयां के अनुसार उन्होंने और ब्लिंकन ने ''विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से दोनों देशों के बीच गहन विचार-विमर्श की प्रक्रिया में सामने आने वाली शर्तों और विषयों'' पर चर्चा की। फ्रांस के विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, लि द्रीयां ने कहा, 'दोनों राष्ट्रपतियों के बीच फोन पर बातचीत के साथ इस दिशा में पहला कदम बढ़ाया गया है लेकिन दोनों देशों के बीच इस संकट को खत्म होने में वक्त लगेगा और इसके लिए काम करना होगा।'' फोन पर हुई बातचीत में मैक्रों ने बाइडन को यह भी बताया कि उन्होंने फ्रांस के राजदूत को अमेरिका भेजने का फैसला किया है। फ्रांस ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए अमेरिका से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था। एक संवाददाता सम्मेलन में ब्लिंकन ने कहा कि वह 'आगे बढ़ने के लिए गहन विचार-विमर्श की प्रक्रिया'' पर लि द्रीयां के साथ मिलकर काम करेंगे लेकिन उन्होंने वह सवाल टाल दिया कि क्या अमेरिका इस स्थिति को 'संकट' मानता है और क्या वह फ्रांस से माफी मांगेगे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, 'हम मानते हैं कि इसमें वक्त और कठिन मेहनत लगेगी तथा इसे न केवल शब्दों बल्कि कार्यों से कर दिखाना होगा और मैं इस अहम प्रयास में लि द्रीयां के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। व्यक्तिगत रूप से मैं बस यह कहूंगा कि वह और मैं लंबे समय से अच्छे मित्र रहे हैं, वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूं।'' ब्लिंकन की टिप्पणियों से यह संकेत मिलता है कि दोनों पक्षों को सफलतापूर्वक गहन विचार-विमर्श करने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।

पिता नहीं चाहता था बेटा लगवाए कोरोना वैक्सीन!12 वर्षीय बच्चा पहुंचा कोर्ट

नीदरलैंड (एजेंसी)।

नीदरलैंड में कोरोना वैक्सीन को लेकर एक कानून बनाया गया है कि, 12 से 17 वर्ष की आयु के बच्चे कोरोना का टीका लगवाने को लेकर खुद फैसला ले सकते है। बता दें कि बच्चों को इसके लिए अपने माता-पिता दोनों से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है। बिना माता-पिता की अनुमति के बच्चे वैक्सीन नहीं लगवा सकते है। इसी को देखते हुए नीदरलैंड के उत्तरी डच शहर में एक 12 वर्षीय बच्चे ने कोरोना वैक्सीन लगवाने की जिद की और इसके लिए वह कोर्ट तक पहुंच गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 12 साल का यह बच्चा कोविड वैक्सीन लगवाना चाहता था लेकिन इसके पिता इस बात के लिए राजी नहीं थे। हालांकि, कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए साफ कहा कि, बच्चे को जल्द से जल्द वैक्सीन लगाई जाए। वैक्सीन को लेकर माता-पिता को कोर्ट पहुंचाने का यह पहला मामला है।

ग्रोनिंगन डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में बच्चे ने सफाई में कहा कि, मैं कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं होना चाहता हूं और न ही दूसरों को संक्रमित करना चाहता हूं, इसलिए मैं वैक्सीनेट होना चाहता हूं। न्यायाधीश ने इस बात को सुनकर बच्चे के पक्ष में फैसला सुनाया। वहीं पिता अपने बच्चे को कोरोना वैक्सीन लगाने से इसलिए रोक रहा था क्योंकि इस समय कोरोना के टीकों का ट्रायल चल रहा है, और यह संभव है कि वेक्सीन लगवाने से बच्चे को कई जोखिम का खतरा हो सकता है। कोर्ट के जज ने फैसला सुनाते हुए कहा कि, पिता का तर्क बिल्कुल भी वैज्ञानिक नहीं है। बच्चे ने आगे कोर्ट को बताया कि, वह कोरोना की वैक्सीन इसलिए लगवाना चाहता है जिससे वह ज्यादा से ज्यादा समय अपनी दादी के साथ बिता सके।बता दें कि बच्चे की दादी फेफड़ों के कैंसर से जूझ रही है और वह नहीं चाहता है कि उसकी दादी को कोई भी परेशानी आए।

श्रीलंका के विदेश मंत्री ने युद्ध के बाद के मुद्दों पर की गई कार्रवाइयों पर भारतीय समकक्ष को जानकारी दी

कोलंबो (एजेंसी)।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर एक बैठक के दौरान, श्रीलंका के विदेश मंत्री जीएल पेइरिस ने अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर को लिट्टे के तमिल विद्रोही कैदियों को रिहा करने और फिर से जांच करने सहित जातीय युद्ध के बाद के मुद्दों को हल करने के लिए की गई कार्रवाई के बारे में सूचित किया।

गुरुवार को बैठक में, पीरिस ने जयशंकर को मई 2009 में संघर्ष की समाप्ति के बाद शेष मामलों को हल करने के लिए द्वीप राष्ट्र की सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विदेश, रक्षा और न्याय मंत्रालय प्रमुख मुद्दों को हल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, जैसे कि आतंकवाद रोकथाम अधिनियम पर फिर से विचार करना, लिट्टे कैदियों को रिहा करना, और स्वतंत्र संस्थानों को सशक्त बनाना, गुमशुदा व्यक्तियों का कार्यालय, मरम्मत के लिए कार्यालय, श्रीलंका का मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय एकता और सुलह कार्यालय आदि । इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए, जयशंकर ने जातीय मुद्दों के बाद के अवशिष्ट मुद्दों के निष्पक्ष और न्यायपूर्ण समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया, जो दोनों देशों के हित में है।

कोलंबो में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में इस बात पर जोर दिया कि दोनों मंत्री इस बात पर सहमत हैं कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध महत्वपूर्ण हैं, जबकि पेइरिस ने संकेत दिया कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के कई अलग-अलग क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति है। विशेष रूप से जातीय युद्ध के दौरान और बाद में देश के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के रुख का उल्लेख करते हुए, पेइरिस ने जयशंकर से कहा कि श्रीलंका जमीन पर सक्रिय किसी भी बाहरी तंत्र को स्वीकार नहीं कर सकता, जब मजबूत घरेलू तंत्र सख्ती से आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रीलंका द्वारा लिए गए सैद्धांतिक रुख के साथ दृढ़ता से खड़े कई देशों द्वारा राष्ट्र को बहुत प्रोत्साहित किया गया था कि देशों के खिलाफ संकल्प उन देशों की सहमति के बिना काम नहीं कर सकते हैं।

हैती के लिए अमेरिका के विशेष राजदूत ने प्रवासियों के लिए अमानवीय व्यवहार का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

हैती के लिए अमेरिका के विशेष राजदूत डेनियल फूट ने देश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हजारों हैतियन को वापस भेजने के प्रशासन के अमानवीय फैसले पर इस्तीफा दे दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को विदेश विभाग के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि फूट ने एक दिन पहले विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। मीडिया पिंटों के अनुसार, फूट ने एक त्याग पत्र में लिखा है कि वह अमेरिका के अमानवीय, हजारों हैतियन शरणार्थियों और अवैध अप्रवासियों को हैती में निर्वासित करने के प्रतिकूल निर्णय से जुड़ा नहीं होगा। उन्होंने कहा, हैती के लिए हमारा नीतिगत दृष्टिकोण बहुत ही त्रुटिपूर्ण है और मेरी सिफारिशों को नजरअंदाज और खारिज कर दिया गया है। वरिष्ठ विदेश सेवा के कैरियर सदस्य फूट को जुलाई में हैती में विशेष राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था। इस्तीफे के जवाब में, व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने गुरुवार को कहा कि फूट ने अपने प्रस्थान से पहले अपने कार्यकाल के दौरान प्रवासन के बारे में चिंता जताई। यह कदम तब आया जब टेक्सास के डेल रियो में यूएस-मेक्सिको सीमा पार करने वाले हैतियन प्रवासियों का सामना घोड़े पर सवार बॉर्डर पेट्रोल एजेंटों को दिखाते हुए तस्वीरों और फुटेज से सामने आया। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) के अनुसार, बारह प्रत्यावर्तन उड़ानें अमेरिका छोड़ चुकी हैं और 1,401 हैतियन रविवार से हैती लौट आए हैं। डेल रियो सेक्टर में 5,000 से कम प्रवासी हैं। बुधवार को, डीएचएस ने डेल रियो से पोर्ट-ऑ-प्रिंस, हैती के लिए दो उड़ानें और डेल रियो से कैप हैतियन, हैती के लिए एक प्रत्यावर्तन उड़ान का संचालन किया, जिसमें कुल 318 हैतियन नागरिक सवार थे।

कोविड-19 से बचाने में मास्क कितना है कारगर? सर्जिकल मास्क को माना गया सबसे सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एच क्रोंग, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले) बर्कले (अमेरिका)।क्या मास्क कोविड-19 से बचाने में कारगर हैं? अगर हां, तो कौन सा मास्क इस्तेमाल करना चाहिए, एन95, सर्जिकल मास्क, कपड़े से बना मास्क या पट्टीनुमा कपड़ा? पिछले डेढ़ साल में, अनुसंधानकर्ताओं ने मास्क की प्रभावशीलता पर बहुत सारे प्रयोगशाला, मॉडल-आधारित और अवलोकन संबंधी साक्ष्य तैयार किए हैं। कई लोगों के लिए यह समझना मुश्किल हो गया है कि क्या काम करता है और क्या नहीं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य विज्ञान के सहायक प्राध्यापक के तौर पर मैंने भी इन सवालों के जवाब के बारे में सोचा है और क्या वस्तु सर्वश्रेष्ठ है, यह जानने के उद्देश्य से अनुसंधानों के आकलन के लिए एक अध्ययन का नेतृत्व किया। हाल ही में, मैं मास्क पहनने की प्रभावशीलता का परीक्षण करने वाले अब तक के सबसे बड़े नियंत्रित ट्रायल का हिस्सा था।

अध्ययन की अभी सहकर्मी समीक्षा बाकी है, लेकिन चिकित्सा समुदाय ने इस पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। हमने पाया कि यह स्वर्ण-मानक साक्ष्य प्रदान करता है जो पिछले अनुसंधानों की पुष्टि करता है कि मास्क पहनना, विशेष रूप से सर्जिकल मास्क, कोविड-19 को रोकता है। प्रयोगशाला और अवलोकन अध्ययन 1910 में मंचूरियन में प्लेग के प्रकोप के बाद से लोग बीमारियों से खुद को बचाने के लिए मास्क का उपयोग कर रहे हैं। कोरोना वायरस महामारी के दौरान, संक्रमित व्यक्तियों को अपने आसपास की हवा को दूषित करने से रोकने के तरीके के रूप में मास्क पर ध्यान केंद्रित किया गया है - जिसे स्रोत नियंत्रण कहा जाता है। हाल के प्रयोगशाला साक्ष्य इस विचार का समर्थन करते हैं। अप्रैल 2020 में, अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि कोरोना वायरस से संक्रमित लोग - लेकिन सार्स-सीओवी2 नहीं - अगर उन्होंने मास्क पहना होता है तो वे अपने आसपास की हवा में कोरोनावायरस के आरएनए कम छोड़ते हैं। कई अतिरिक्त प्रयोगशाला अध्ययनों ने भी मास्क की प्रभावकारिता का समर्थन किया है। वास्तविक दुनिया में, कई महामारी विज्ञानियों ने यह देखने के लिए मास्क लगाने और मास्क नीतियों के प्रभाव की जांच की है कि क्या मास्क कोविड-19 के प्रसार को धीमा करने में मदद करते हैं। 2020 के अंत में प्रकाशित एक अवलोकन अध्ययन ने 196 देशों में जनसांख्यिकी, परीक्षण, लॉकडाउन और मास्क पहनने पर ध्यान केंद्रित किया।

अनुसंधानकर्ता ने पाया कि अन्य कारकों को नियंत्रित करने के बाद, सांस्कृतिक मानदंडों या नीतियों वाले देश जहां मास्क पहनने का समर्थन करने वाले देशों में साप्ताहिक प्रति व्यक्ति कोरोना वायरस मृत्यु दर में 16 प्रतिशत की वृद्धि देखी, जबकि बिना मास्क पहनने वाले देशों में 62 प्रतिशत साप्ताहिक वृद्धि हुई। प्रयोगशाला, अवलोकन और मॉडलिंग अध्ययनों ने कई प्रकार के मास्क के मूल्य का लगातार समर्थन किया है। लेकिन ये दृष्टिकोण आम जनता के बीच बड़े पैमाने पर क्रमरहित नियंत्रित परीक्षणों के रूप में मजबूत नहीं है। 2020 की शुरुआत में डेनमार्क में किया गया एक ऐसा अध्ययन कोई परिणाम देने वाला नहीं था, लेकिन यह अपेक्षाकृत छोटा था और प्रतिभागियों द्वारा मास्क पहव स्वयं-रिपोर्ट मास्क पहनने पर निर्भर था। मास्क पहनने से कोविड-19 की आशंका कम होती है जिन 300 गांवों में हमने किसी भी प्रकार का मास्क वितरित किया, वहां हमने उन गांवों की तुलना में कोविड-19 में 9 प्रतिशत की कमी देखी, जहां हमने मास्क का प्रचार नहीं किया था। गांवों की कम संख्या के कारण जहां हमने कपड़ा मास्क को बढ़ावा दिया, हम यह नहीं बता पाए कि कपड़ा या सर्जिकल मास्क कोविड-19 को कम करने में बेहतर थे या नहीं। हमारे पास यह निर्धारित करने के लिए पर्याप्त सैंपल साइज था कि जिन गांवों में हमने सर्जिकल मास्क वितरित किए, वहां कोविड-19 में 12 प्रतिशत की गिरावट आई। उन गांवों में 60 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए कोविड-19 का स्तर 35 प्रतिशत और 50-60 साल के लोगों के लिए 23 प्रतिशत घट गया। कोविड-19 जैसे लक्षणों को देखने पर हमने पाया कि सर्जिकल और कपड़े का मास्क दोनों पहनने से 12 प्रतिशत की कमी आई।

सार समाचार

कमल हासन ने पार्टी कार्यकताओं से ग्राम सभा में भाग लेने का आग्रह किया

चेन्नई। सुपरस्टार से राजनेता बने कमल हासन ने अपने पार्टी कैडर मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) से ग्राम सभा की बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है। अभिनेता से राजनेता बने हसन ने कार्यकताओं से आग्रह किया कि ग्राम सभाएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार हैं और उन्हें इसमें भाग लेना चाहिए। ग्राम सभा, जो पिछली बार 26 जनवरी, 2021 को राज्य में हुई थी, 2 अक्टूबर को उन नौ जिलों को छोड़कर सभी जिलों में होगी जहाँ ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनाव हो रहे हैं। कमल हासन ने गुरुवार को कैडरों को संबोधित एक बयान में कहा कि उन्हें लोगों को ग्राम सभा की बैठकों के महत्व को दोहराना चाहिए और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि ग्राम सभा नियमित रूप से न हो। अभिनेता, राजनेता ने यह भी कहा कि कोविड -19 स्थिति शासक वर्ग के लिए सभा की बैठकें न करने का एक अच्छा बहाना था। उन्होंने कहा कि जब चुनावी सभाएं और सरकारी शपथ ग्रहण समारोह जनभागीदारी से हो रहे थे, तब सत्ता पक्ष और विपक्ष ने यह सुनिश्चित किया कि कोविड -19 महामारी का हवाला देते हुए ग्राम सभाओं का आयोजन न किया जाए।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल बोले- धान की पराली अब कोई समस्या नहीं है

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि धान की पराली अब कोई समस्या नहीं है और उन्होंने पड़ोसी राज्यों से फसलों के अवशेष का प्रबंधन करने के लिए अपने किसानों को पूसा द्वारा बनाए गए जैव अपघटक उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि इस सूक्ष्मजीवी घोल का दिल्ली में 844 किसानों की 4,300 एकड़ से अधिक भूमि पर छिड़काव किया जाएगा। पिछले साल 310 किसानों ने 1,935 एकड़ भूमि पर इसका इस्तेमाल किया था। यह घोल पराली को खाद में बदल सकता है। केजरीवाल ने दक्षिण पश्चिम दिल्ली के खरखरी नहर गांव में पूसा जैव अपघटक की तैयारियों का आगाज करते हुए कहा, ''धान की पराली अब कोई समस्या नहीं है...हम सभी राज्यों से अपने किसानों को यह सस्ता घोल उपलब्ध कराने की अपील करते हैं, जैसा दिल्ली ने किया है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने भी जैव अपघटक की सफलता को माना है और पंजाब, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश को इसका इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश 10 लाख एकड़, पंजाब पांच लाख एकड़ और हरियाणा एक लाख एकड़ की भूमि पर जैव अपघटक का इस्तेमाल करेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार पांच अक्टूबर से खेतों में इस घोल का छिड़काव करना शुरू करेगी।

पंजाब के मुख्यमंत्री को कैबिनेट विस्तार सूची के लिए राहुल की मंजूरी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार देर रात हुई बैठक में पंजाब कैबिनेट विस्तार के लिए प्रस्तावित नामों की सूची को अपनी मंजूरी दी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कुछ नए चेहरों को शामिल किए जाने की संभावना है लेकिन यह पूरी तरह से नया नहीं होगा और सभी पृष्ठभूमि के लोगों को चन्नी कैबिनेट में सेवा देने का मौका दिया जाएगा। राहुल गांधी ने गुरुवार देर रात को पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और राज्य प्रभारी हरीश रावत और महासचिव के.सी. वेणुगोपाल गुरुवार के साथ मुलाकात की। बैठक से पहले राहुल ने रावत से अलग से मुलाकात की। पार्टी पिछली कैबिनेट के सभी मंत्रियों को नहीं छोड़ना चाहती क्योंकि इससे पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह का पक्ष मजबूत होगा। चुनाव से पहले ये विधायक अहम हो सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि जिस तरह से उनके बाहर निकलने की योजना बनाई गई थी, उससे वह नाराज हैं।

यूपी में ऐलान के बाद, गुजरात, उत्तराखंड और दिल्ली में चुनाव लड़ने की तैयारी में एआईएमआईएम

ई दिल्ली। अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद अब गुजरात, उत्तराखंड और दिल्ली में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कलीमुल हफीज ने आईएनएस से बातचीत में कहा, उत्तरप्रदेश में तो पार्टी औपचारिक ऐलान कर ही चुकी है विधानसभा चुनाव लड़ने का। इसके बाद अब पार्टी गुजरात में भी आंतरिक सर्वेक्षण कर रही है कि कितनी सीटों पर पार्टी का जनाधार बनाया जा सकता और उम्मीदवार उतारे जा सकते हैं। गौरतलब है कि गुजरात में दो ध्रुवीय राजनीति है जहां कई सालों से सत्तारूढ़ बीजेपी और कांग्रेस की बीच ही मुख्य मुकाबला होता आया है। पिछले दिनों एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात का दौरा भी किया था। इसके बाद उन्होंने कहा था कि एआईएमआईएम गुजरात विधानसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ेंगी और कोशिश ये भी होगी कि एआईएमआईएम के कुछ सदस्य जीतकर विधानसभा पहुंचें। कलीमुल हफीज के मुताबिक उनकी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष साबिर कबलिवाला से पार्टी अध्यक्ष ने इस बारे में जानकारी मांगी है कि कितनी सीटों पर उम्मीदवार मजबूती से टक्कर दे सकते हैं।

सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया- पीएम केयर्स फंड एक सरकारी फंड नहीं है

नई दिल्ली। केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि पीएम केयर्स फंड एक सरकारी फंड नहीं है क्योंकि इसके द्वारा एकत्र की गई राशि भारत के समेकित कोष में नहीं जाती है। यह जानकारी इंडिया लीगल लाइव के हवाले से मिली है।
प्रधानमंत्री कार्यालय में एक सचिव के तहत दायर एक हलफनामे में कहा गया है कि ट्रस्ट के कामकाज में किसी भी तरह से केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है।

संकट में दुनिया का हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन कहां जाएगा? योगी बोले- भारत उन्हें दोनो हाथ फैलाकर अपना रहा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के एक कार्यक्रम के दौरान बड़ा बयान दिया है। योगी का यह बयान आने वाले विधासभा चुनाव से पहले काफी मायने रखता है। दरअसल, योगी ने सीएए के संदर्भ में कहा कि आज भारत कानून बनाकर दुनिया में संकट में फंसे हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन धर्म के लोगों को नागरिकता दे रहा है।ह्ढ के मुताबिक योगी ने कहा कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान से जो हिंदू और सिख प्रताणित और अपमानित थे जिनको कोई देश अपना नहीं मानता था। मोदी जी ने कहा कि ये सब हमारे हैं। कानून बनाकर उन सबको भारत की नागरिकता दे दी।

इसके आगे योगी ने कहा कि दुनिया का हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन कहां जाएगा। जब संकट आएगा तो उन्हें भारत की तरफ ही देखना होगा। भारत उन्हें आज दोनो हाथ फैलाकर अपना रहा है। जब कानून बना तो तमाम लोगों ने विरोध किया लेकिन कानून लागू किया गया। क्या ये पहले की सरकारें कर पातीं। हिम्मत नहीं थी। इसी कार्यक्रम में योगी ने कहा कि मैं हाल ही में एक आदमी से मिला जो अमेरिका में रहता है। मुलाकात के दौरान उन्होंने पीने से पहले एक छोटी बोतल से दो बूंद पानी में डाल दी। पूछताछ करने पर उसने कहा कि यह तुलसी का पानी है जो वह अमेरिका से लाया था। उन्होंने मुझे बताया कि तुलसी ने कोविड के बाद अमेरिका में लोकप्रियता हासिल की है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी धार्मिक संस्थाओं से आह्वान किया था कि वे गोरक्षा, संस्कृत व संस्कृति की रक्षा के लिए आगे आएं और इसमें सरकार पूरा सहयोग करेगी। साथ ही कहा कि गोरक्षा केवल भाषणों से नहीं बल्कि श्रद्धा और व्यवस्था से जुड़ने से होगी। उन्होंने भारत और भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए हर देशवासी को तैयार रहने का भी संदेश दिया। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हर धार्मिक पीठ संस्कृत विद्यालय खोले, सरकार इसमें हर संभव सहयोग करेगी।

राष्ट्रपति ने प्रदान किए राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने शुक्रवार को वर्चुअल समारोह के दौरान वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 42 व्यक्तियों व संस्थानों को प्रदान किए। राष्ट्रपति द्वारा कुल 30 स्वयंसेवकों, 10 कार्यक्रम अधिकारियों/एनएसएस इकाइयों और दो विश्वविद्यालयों और परिषदों को सम्मानित किया गया। इस तथ्य की ओर इशारा करते हुए कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 1969 में महात्मा गांधी की जन्मशती के अवसर पर की गई थी, राष्ट्रपति ने कहा, हमारे युवाओं को जिम्मेदार नागरिक होना चाहिए और खुद को पहचानना चाहिए। गांधीजी के अनुसार स्वयं को जानने का सबसे अच्छा तरीका दूसरों की सेवा में खुद को समर्पित करना है। गांधीजी के आदर्श और सेवा की भावना आज भी हम सभी के लिए प्रासंगिक और प्रेरणादायक है। राष्ट्रपति भवन से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति ने कहा, कोविड-19 के शुरुआती प्रकोप के दौरान, मास्क का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होने तक, एनएसएस द्वारा 2 करोड़ 30 लाख से अधिक मास्क बनाए गए और देश के विभिन्न हिस्सों में वितरित किए गए। उन्होंने यह भी कहा कि एनएसएस स्वयंसेवकों ने हेल्पलाइन के माध्यम से लोगों को कोविड से संबंधित जानकारी प्रदान की और साथ ही जिला प्रशासन को जागरूकता और राहत गतिविधियों में भी मदद की। राष्ट्रीय सेवा योजना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 1993-94 में युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा एनएसएस पुरस्कारों की स्थापना की गई थी।

पी. चिदंबरम ने ड्रग्स की जब्ती को लेकर केंद्र की चुप्पी पर उठाया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को गुजरात के मुद्रा बंदरगाह पर पिछले सप्ताह ड्रग्स की जब्ती पर केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया।

चिदंबरम ने एक बयान में कहा, 3000 किलोग्राम से अधिक हेरोइन की जब्ती अभूतपूर्व है और भारत में स्वतंत्र रूप से संचालित एक बड़े अपराध सिंडिकेट की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा, इन आरोपियों के जून 2021 में बड़ी मात्रा में सफलतापूर्वक आयात करने की सूचना है और वह इसके साथ भाग गए।

उन्होंने कहा, इस परिमाण के एक आयात का प्रयास उच्च स्तर पर आधिकारिक संरक्षण के बिना किसी के द्वारा नहीं किया जा सकता है। इस घटना पर प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री चुप क्यों हैं?

इससे पहले सप्ताह में, कांग्रेस ने कहा था कि पिछले कुछ वर्षो में, गुजरात तट पाकिस्तान, ईरान या अफगानिस्तान से भारत में ड्रग्स की तस्करी का पसंदीदा मार्ग बन गया है। उन्होंने कहा, आइए हम हाल के दिनों की घटनाओं के कालक्रम को समझें। जुलाई 2017 में एक भारतीय तटरक्षक पोत ने गुजरात के तट पर एक व्यापारी जहाज से लगभग 3,500 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 1,500 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। जनवरी 2020 में, पांच पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव पर सवार नागरिकों को गुजरात के तट से समुद्र के बीच में पकड़ा गया, जब वे राज्य और देश में 175 करोड़ रुपये की दवाओं की तस्करी का प्रयास कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अप्रैल 2021 में, एक नाव पर सवार आठ पाकिस्तानी नागरिकों को गुजरात के तट से 150 करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ पकड़ा गया था। 17 सितंबर, 2021 को, एक ऑपरेशन के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा तीन टन हेरोइन जब्त की गई थी। गुजरात के भुज में अडानी समूह के निजी स्वामित्व वाले बंदरगाह मुंद्रा बंदरगाह पर दो कंटेनर जब्त किए गए। हेरोइन की कीमत लगभग 21,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। 18 सितंबर को, गुजरात पुलिस के तटरक्षक बल और आतंकवाद विरोधी दस्ते ने एक ईरानी नाव के खिलाफ एक संयुक्त अभियान में गुजरात के तट से 150 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 30 किलोग्राम हेरोइन पाई गई थी।

कश्मीर के लोगों को शक्तिहीन बना रहा है केंद्र, महबूबा मुफ्ती का बयान

श्रीनगर। (एजेंसी)।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों को ''शक्तिहीन'' बना रही है और वह उन पर आतंकवादियों के साथ संबंध होने का संदेह करती है जो कश्मीरियों को ''अपमानित एवं बेदखल'' करने का नया बहाना है। वह हाल में कथित देश विरोधी गतिविधियों के आरोपों में छह सरकारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किए जाने पर प्रतिक्रिया जता रही थीं।

महबूबा ने ट्विटर पर लिखा, ''जम्मू-कश्मीर के लोगों को शक्तिहीन बनाने के भारत सरकार के फरमान का अंत नहीं हो रहा है। भारत सरकार दावे करती रही है कि रोजगार पैदा करने के लिए वह निवेश कर रही है जबकि वह इस बात को जानते हुए सरकारी कर्मचारियों को सेवा से हटा रही है कि जम्मू-कश्मीर में आजीविका के लिए लोग सरकारी नौकरियों पर निर्भर हैं।''

उन्होंने कहा कि कश्मीरियों को परेशान किया जाना केंद्र के ''फर्जी दावे की पोल खोल रहा है कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवादियों से संबंध नया बहाना है जिसका इस्तेमाल कश्मीरियों को अपमानित करने में किया जा रहा है।

सामाजिक-निजी भागीदारी में आर्थिक विकास को गति देने की क्षमता: उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह

शिमला। (एजेंसी)।

उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा से 10 गीगावाट अतिरिक्त विद्युत उत्पादन करने के उद्देश्य से स्वर्ण जयंती ऊर्जा नीति और पॉवर विजन दस्तावेज 2030 पर विचार किया जा रहा है। वह आज यहां एसोचैम द्वारा उत्तर भारत में सार्वजनिक-निजी भागीदारी में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने की क्षमता विषय पर वर्चुअल माध्यम से आयोजित सेमीनार को सम्बोधित कर रहे थे।

सेमीनार में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, एसोचैम के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल, उत्तरी क्षेत्र विकास परिषद के अध्यक्ष ए.एस. मित्तल, एसोचैम के महासचिव दीपक सूद, उत्तरी क्षेत्र विकास परिषद के सह-अध्यक्ष सुमित कोचर तथा प्राइमस पार्टनर्ज के अध्यक्ष देविन्द्र सिंह ने भी हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य में दवा उद्योग के विकास के लिए केन्द्र सरकार से प्रदेश के लिए बल्क ड्रग फार्मा पार्क को मंजूरी देने के लिए आग्रह किया है, इससे राज्य के लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। प्रदेश में सरकार द्वारा मेगा फूड पार्कों पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। इससे प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने में निवेश के अवसर प्राप्त होंगे तथा फसल क्षति को कम करने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

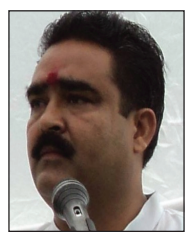

बिक्रम सिंह ने कहा कि देश में सार्वजनिक-निजी भागीदारी ने विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं के त्वरित और लागत प्रभावी निष्पादन को सुनिश्चित करने में मदद की है। निजी क्षेत्र उत्तरी राज्यों को सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों जैसे क्षमता निर्माण, गुणवत्तापूर्ण किफायती स्वास्थ्य देखभाल, स्थिरता, बुनियादी ढांचे के विकास आदि को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कोरोना महामारी के संकटकाल के दृष्टिगत, अर्थव्यवस्था के पुनरूद्धार के लिए निजी क्षेत्र का निवेश महत्वपूर्ण हो गया है। सरकार ने भागीदारी की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। निजी क्षेत्र की बढ़ी हुई भागीदारी लॉजिस्टिक्स के निर्माण को सुगम बना रही है, जिसके माध्यम से भी उद्योग लाभान्वित हो सकते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकारों की भागीदारी और निरंतर समर्थन से सार्वजनिक निजी भागीदारी प्रदेश में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने में सहायक होगी।

बिक्रम सिंह ने कहा कि राज्य में सभी पात्र प्रदेशवासियों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है और सरकार ने आगामी नवम्बर, 2021 तक सभी पात्र व्यक्तियों को दूसरी डोज लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

कांग्रेस सरकारों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान, विरासत को तवज्जो नहीं दिया : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को पिछली कांग्रेस सरकारों पर राजनीतिक और वंशवादी कारणों से नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान और विरासत को तवज्जो नहीं देने का आरोप लगाया। सिंह यहां नॉर्थ ब्लॉक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और उनके योगदान पर एक डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अपने गुमनाम नायकों के गौरव को बहाल करने तथा इतिहास द्वारा विभिन्न वजहों से उनके साथ किए गए अन्याय को दूर करने का एक अवसर है। सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बाबा साहेब आंबेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और सरदार पटेल सहित गुमनाम नायकों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को पुनर्जीवित करने और उनके बारे में लोगों को याद दिलाने के लिए देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऋणी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे नायकों के बलिदानों और उपलब्धियों को राजनीतिक और वंशवादी कारणों से उत्तरोत्तर कांग्रेस सरकारों द्वारा हमेशा तवज्जो नहीं दिया गया।'' एक आधिकारिक बयान के अनुसार कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि संकल्प से सिद्धि की अगले 25 वर्षों की यात्रा निश्चित रूप से भारत को एक विश्वगुरु के रूप में स्थापित करेगी और इसलिए युवा पीढ़ी को राष्ट्र की सेवा में खुद को फिर से समर्पित करने का संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त, 2023 तक चलने वाले समारोह में पांच स्तंभ होंगे - स्वतंत्रता संग्राम, 75 साल पर विचार, 75 साल पर उपलब्धियां, 75 साल पर कार्रवाई और 75 साल पर संकल्प। सिंह ने कहा कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग हर साल विभिन्न विषयों पर केंद्रित प्रदर्शनियों का आयोजन करेगा।

कानून बनाते समय होनी चाहिए व्यापक चर्चा, ओम बिरला बोले- सदन में बाधा या हंगामा ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आज कर्नाटक विधानसभा को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संबोधित किया। इस दौरान ओम बिरला ने कहा कि जब संविधान का मसौदा तैयार किया गया था, तो भावना हमारे विधायी को अधिक जागरूक, कर्तव्यपरायण, ईमानदार और जिम्मेदार बनाने की थी ताकि लोगों की सामाजिक और आर्थिक बेहतरी के लिए मार्ग प्रशस्त किया जा सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा बनाए गए कानूनों पर व्यापक चर्चा करना हमारा कर्तव्य है। इसमें विधायकों की अधिक सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए ताकि बनने वाले कानूनों पर कोई सवाल न उठाया जा सके।

विधान सौध में आज कर्नाटक विधान सभा और विधान परिषद के सदस्यों को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि देखा जा रहा है कि विधानमंडलों में कानून बनाते समय जिस तरह की व्यापक चर्चा होनी चाहिए, वह नहीं हो रही है। यह चिंता का विषय है क्योंकि जनप्रतिनिधि जनता से सीधे जुड़े हुए हैं और उनकी कठिनाइयों को करीब से समझते हैं। इसलिए कानून बनाते समय उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। हमें कानून बनाते समय अधिक सक्रिय भागीदारी का प्रयास करना चाहिए, चर्चा होनी चाहिए और सदन में कोई बाधा या हंगामा नहीं होना चाहिए।

इससे पहले ओम बिरला ने कहा कि समृद्ध परंपराओं, संस्कृति व इतिहास के लिए प्रसिद्ध कर्नाटक, लोकतंत्र के उद्भव के प्रारंभिक केंद्रों में एक है। प्राचीन काल से स्वतंत्रता संग्राम तथा आजादी के बाद से आज तक कर्नाटक के नागरिकों की उपलब्धियों ने देश को गौरवान्वित किया है। कर्नाटक की यात्रा मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वहीं, कर्नाटक विधानसभा ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को वर्ष 2020-21 का सर्वश्रेष्ठ विधायक नामित किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

'राजस्थान सभालो, पंजाब को छोड़ो', अशोक गहलोत की नसीहत पर बरसे जमकर कैप्टन

नई दिल्ली। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत की ओर से सलाह दिए जाने पर कैप्टन अमरिंदर सिंह ने उन्हें अपने ही राज्य तक सीमित रहने की नसीहत दी है। अशोक गहलोत ने कहा था कि मैं उम्मीद करता हूं कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे, जिससे कांग्रेस को नुकसान होगा। इस सलाह को लेकर अशोक गहलोत पर बरसते हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा वे राजस्थान पर ध्यान दें। एक टीवी चैनल से बातचीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा, ह्यगहलोत अपना राजस्थान संभालें, हमारे पंजाब को छोड़ें। वह मेरे दोस्त हैं, चुनाव में जिस कमेटी ने टिकट दिए, वे उसके चेयरमेन थे। वह बहुत अच्छे आदमी हैं, लेकिन उन्हें अपनी परेशानियों को देखना चाहिए। तीन तो स्टेट रह गए हैं कांग्रेस के पास। आप पंजाब खराब कर ही रहे हो। दरअसल अशोक गहलोत ने 19 सितंबर को कैप्टन अमरिंदर सिंह के नाम एक पत्र ट्वीट किया था और कहा था कि मुझे उम्मीद है कि वे ऐसा कोई काम नहीं करेंगे, जिससे कांग्रेस का नुकसान हो। अशोक गहलोत ने लिखा था, 'मुझे उम्मीद है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे, जिससे कांग्रेस को नुकसान हो। कैप्टन साहब ने खुद कहा है कि पार्टी ने उन्हें सीएम बनाया और वे साढ़े 9 साल तक प्रदेश के मुखिया रहे। उन्होंने अपनी पूरी ताकत के साथ काम किया और पंजाब के लोगों की सेवा की थी। कई बार हाईकमान विधायकों और आम लोगों की राय के आधार पर पार्टी के हित में फैसले लेता है।' हालांकि इस तरह से अशोक गहलोत का नसीहत देना कैप्टन अमरिंदर सिंह को रास नहीं आया है और उन्होंने सलाह दी है कि वे राजस्थान को संभालें।

दिल्ली: रोहिणी कोर्ट में गैंगवार

कोर्ट रूम में गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की हत्या, वकील की ड्रेस में आए दोनों बदमाश भी पुलिस शूटआउट में मारे गए

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी जिले के रोहिणी कोर्ट में एक बार फिर गैंगवार की वारदात को अंजाम दिया गया। शुक्रवार दोपहर कुख्यात बदमाश जितेंद्र उर्फ गोगी को कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। इस पेशी के दौरान वकील की ड्रेस पहने हुए दो लोगों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में स्पेशल सेल की तरफ से भी गोलियां चलाई गईं, जिसमें दोनों हमलावरों की मौत हो गई। इस तरह वारदात में गैंगस्टर गोगी समेत कुल तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जितेंद्र को वर्ष 2020 में गिरफ्तार किया था। काउंटर` इंटेलिजेंस टीम ने उसे गुरुग्राम से तीन अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के समय उस पर दिल्ली पुलिस की तरफ से आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह हत्या, अपहरण, पुलिस

पर हमला आदि वारदातों में शामिल रहा था। गिरफ्तारी के बाद से उसे जेल में रखा गया था। शुक्रवार को तीसरी बटालियन की पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस की टीम उसे रोहिणी अदालत में पेश करने के लिए लाई थी। इसी दौरान वहां पर वकील की ड्रेस पहने हुए दो शख्स आए और उन्होंने गोगी पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। उसे बचाने के लिए काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने भी हमलावरों पर गोली चलाई जिसमें दोनों हमलावरों की मौत हो गई। रोहिणी कोर्ट में इन दोनों हमलावरों ने वकील की ड्रेस पहन कर प्रवेश किया था ताकि उन्हें कोई ना रोके। इस घटना में मारे गए दोनों बदमाशों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। घटना में घायल हुए जितेंद्र उर्फ गोगी की मौके पर ही मौत हो गई। दिल्ली पुलिस का कहना है इस पूरी घटना में कुल तीन लोगों की मौत हुई है। पूरे मामले को लेकर छानबीन चल रही है। उल्लेखनीय है कि मारे गए जितेंद्र गोगी और अलीपुर के ताजपुरिया निवासी सुनील उर्फ टिल्लू के बीच करीब एक दशक से गैंगवार चल रही है।

मोदी जी से मीटिंग में उठाना किसानों का मुद्दा

राकेश टिकैत ने ट्वीट कर की जो बाइडेन से अपील

नई दिल्ली। तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन के नेता राकेश टिकैत के एक ट्वीट से नया विवाद खड़ा हो गया है। शुक्रवार को राकेश टिकैत ने एक ट्वीट कर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मदद मांगी है और कहा है कि वे तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने में दखल दें। जो बाइडेन को टैग करते हुए राकेश टिकैत ने लिखा, 'प्रिय जो बाइडेन, हम भारतीय किसान मोदी सरकार की ओर से लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन करते हुए बीते 11 महीने में 700 किसानों की मौत हो चुकी है। इन कानूनों को हमारे बचाव के लिए वापस लिया जाना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी से मीटिंग के दौरान हमारी चिंताओं का भी ख्याल रखें।' उनके इस ट्वीट के बाद से ट्विटर पर

#Biden_SpeakUp4Farmers ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है। शुक्रवार को ही पीएम नरेंद्र मोदी की क्वाड देशों के नेताओं से मुलाकात होने वाली है। इन देशों में भारत और अमेरिका के अलावा जापान एवं ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। किसानों को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन करते हुए करीब एक साल पूरा होने वाला है। बीते साल अक्टूबर की शुरूआत में ही इस आंदोलन की शुरूआत हो गई थी। इसी साल की शुरूआत में पॉप स्टार रिहाना, ग्रेटा थनबर्ग और पोर्न स्टार मिया खलीफा समेत कई विदेशी हस्तियों ने इन कानूनों को लेकर टिप्पणी की थी। तब इस बात को लेकर विवाद छिड़ गया था कि आखिर गैर-भारतीय लोग इस मसले पर टिप्पणी क्यों कर रहे हैं। यही नहीं ग्रेटा थनबर्ग इस मामले में एक टूलकिट शेयर कर घिर गई थीं। यही नहीं टूलकिट केस की जांच के दौरान दिल्ली पुलिस ने कई लोगों को अरेस्ट भी किया था। अब राकेश टिकैत की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति से अपील के चलते विवाद छिड़ सकता है। दरअसल दूसरे देश के प्रमुख की ओर से इस मामले में दखल की अपील किए जाने को लेकर वह घिर सकते हैं। राकेश टिकैत के ट्वीट को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की सदस्य कविता कुरुगांती ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करना इस आंदोलन के हर स्तर पर मजबूत होने के लिए जरूरी है।

बीजेपी सांसद ने उपराज्यपाल को लिखा पत्र, कहा- ठीक से काम नहीं कर रहे हैं नगर निगम

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि बीजेपी शासित नगर निगम ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। सांसद हंस राज हंस ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को लिखे पत्र में कहा है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र को भारी बारिश के कारण जलजमाव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में भारी बारिश के कारण क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हो गई और कई संपत्तियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। सांसद ने कहा कि उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं से दिल्ली सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को अवगत कराया था। मगर उन्होंने कोई भी संतोषजनक कार्रवाई नहीं की। अपने पत्र में सांसद हंस राज हंस ने दिल्ली के उपराज्यपाल से इस संबंध में एक बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। सांसद द्वारा पत्र में उल्लिखित दिल्ली के पहले तीन विभाग अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार के दायरे में आते हैं, जबकि डीडीए केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आता है।

सपा के मंडल स्तरीय सम्मेलन में भाजपा पर बरसे पूर्व मंत्री

बोले-यूपी सरकार में हो रहा व्यापारियों का उत्पीड़न

बदायूं। समाजवादी व्यापार सभा के मंडल स्तरीय सम्मेलन में पूर्व मंत्री संजय गर्ग ने कहा कि सपा सरकार में ही व्यापारियों का हित सुरक्षित है। भाजपा सरकार ने तो व्यापारियों का उत्पीड़न करने का काम किया है, यही वजह है कि 2022 के चुनाव में व्यापारी सपा की सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। समाजवादी व्यापार सभा का मंडल स्तरीय सम्मेलन शुक्रवार के लिए शहर के कृष्णा लाइन में आयोजित किया गया। जिसमें मंडलभर के व्यापारी पहुंचे। यहां

पर मुख्य अतिथि बतौर पहुंचे पूर्व मंत्री संजय गर्ग ने व्यापारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सरकार बनी है तब से व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। व्यापारियों के लिए अनावश्यक टैक्स के बोझ में दबा दिया है। बिजली का बिल बढ़ाकर भी व्यापारियों पर बोझ डालने का काम किया है। कोरोना काल के दौरान व्यापार चौपट हो गए। इसके बावजूद व्यापारियों ने टैक्स दिया लेकिन सरकार की ओर से उन्हें कोई राहत नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि अब सपा सरकार बनने पर ही व्यापारियों को राहत मिलेगी और उनका व्यापार पटरी पर आयेगा। पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का सफाया तय है। जनता त्रस्त आ चुकी है, महंगाई दिनों दिन बढ़ती जा रही है। आपराधिक घटनाओं का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है।व्यापारी समाज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है, इसी के चलते जनता ने अब पूरी तरीके से सपा सरकार को लाने का मन बना लिया है। जिला अध्यक्ष प्रेमपाल यादव ने कहा कि कार्यकर्ता अभी से चुनाव की तैयारी में जुट जाएं।

उत्तराखंडः राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी का बड़ा बयान,

कहा: हर कांग्रेसी भाजपा में आने का इच्छुक

देहरादून। राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने बड़ा बयान देकर उत्तराखंड की राजनीति में हलचल मचा दी है। शुक्रवार को मीडिया पाठशाला कार्यक्रम में अनिले बलूनी प्रदेश भाजपा की मीडिया टीम को आगामी विधानसभा चुनाव के प्रचार की टिप्स देने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और उनके इर्द-गिर्द एक दो लोगों को छोड़कर हर कांग्रेसी भाजपो में आने का इच्छुक है और संपर्क कर रहा है। लेकिन भाजपा में हाउस फुल है। बता दें कि हरीश रावत ने नवजोत सिंहे सिद्धू के समर्थन में बयान देते हुए पाकिस्तान के सेना प्रमुख बाजवो को पंजाबी भाई बताया था। जिसे लेकर अनिले बलूनी ने उन पर निशाना साधा। कहा कि राजनीति कीजिए, दो-दो हाथ कीजिए हम तैयार हैं। लेकिन बाजवा के हाथों में हिंदुस्तान के सैनिकों का खून लगा है उसे हरीश रावत भाई बोल रहे हैं। यह दुर्भाग्य है। कोई भी उत्तराखंड या देश के अंदर जनरल बाजवा को भाई नहीं कह सकता है। इसके लिए हरीश रावत को माफी मांगनी चाहिए। जिस तहर की वह बातें वह कर रहे हैं उससे कांग्रेस का और समाज का

भी नुकसान है। वोटों के तुष्टिकरण के लिए कृपया इस तरह की राजनीति न करें। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह उत्तराखंड आएंगे और यहां की जनता से मुखातिब होंगे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार दोबारा बने उसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ने वाले हैं। शुक्रवार को मीडिया पाठशाला कार्यक्रम में अनिले बलूनी के साथ ही प्रदेश चुनाव के सह प्रभारी व राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आरपी सिंह भी मौजूद रहे। राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी के बाद अब उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने भी कहा है कि भाजपा के कई नेता हमोर संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि जितने भी लोग हमारे संपर्क में हैं। हम उनमें से कुछ को ही पार्टी में शामिल करेंगे। पिछले पांच साल के भाजपा के खिलाफ कार्य कर रहे कांग्रेस के कार्यकताओं के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत ने भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी का भाजपा हुई हाउसफुल के बयान पर खूब चुटकी ली है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि लगता है उज्याडू बल्द से बहुत जल्दी मेरे प्रिय अनुज घबरा गए हैं। भाजपा में रह कर बलूनी बेशक दल-बदल कराने में पारंगत हो गए हों। परंतु भाजपा अपने नेताओं व कार्यकताओं का दलबदल-धन बल से दूसरी पार्टी की कीमत पर उनके अधिकार को लेकर किए जाने वाले मुखर विरोध से भी त्रस्त हो रही है। बलूनी को अपने घर को संभाले कर रखने की सलाह देते हुऐ उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने भी भाजपा के दल-बदल के पाप को देखा है।

शिलापट्ट से गुर्जर शब्द हटाने के विरोध में महापंचायत का ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 22 सितंबर को दादरी के मिहिर भोज पीजी कॉलेज में सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा के अनावरण के दौरान शिलापट्ट से गुर्जर शब्द हटाने को लेकर गुर्जर समाज के लोग विरोध में उतर आए हैं और रविवार को कॉलेज में महापंचायत का एलान किया है। दादरी के मिहिर भोज पीजी कॉलेज में सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा के अनावरण को लेकर गुर्जर और राजपूत समाज आमने सामने थे। हालांकि, मुख्यमंत्री के दौरे से पहले दोनों समुदाय के प्रतिनिधियों ने एक मंच पर आकर विवाद खत्म कर दिया था। इसके

बाद प्रतिमा अनावरण के लिए लगने वाले शिलापट्ट पर गुर्जर शब्द को लेकर राजनीति शुरू हुई। मुख्यमंत्री योगी के जाने के बाद लोगों की भीड़ शिलापट्ट से गुर्जर शब्द हटा देखकर भड़क गई। आक्रोशित भीड़ ने जमकर हंगामा किया और दादरी विधायक तेजपाल नागर के खिलाफ नारेबाजी की। अब समुदाय के लोगों ने गुर्जर शब्द हटाने के विरोध में रविवार को महापंचायत का एलान किया है।

आगनवाड़ी और आशा वर्करों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल, कम वेतन और काम करने की स्थिति का कर रहीं विरोध

नई दिल्ली। योजना कार्यकर्ता महासंघ के संयुक्त मंच ने कहा है कि लाखों मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आज राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर हैं। कोविड ड्यूटी पर रहते हुए जोखिम भत्ता और बीमा कवर की अपनी मांग और नियुक्तियों को नियमित करने की मांग को लेकर यह हड़ताल की जा रही है। कई राज्यों में आशा कार्यकर्ता कोरोनोवायरस महामारी शुरू होने के बाद से ही अपनी काम करने की स्थिति और कम वेतन का विरोध कर रही हैं। अपने सामान्य काम और कोविड ड्यूटी के अलावा, आशा और आंगनवाड़ी

कार्यकर्ता शहरी क्षेत्रों से कटे हुए, हाशिए के लोगों के दरवाजे तक भी कोविड -19 टीके लाकर भारत के टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ा रही हैं। आशा कार्यकताओं के एक मंच- 'महाराष्ट्र राज्य आशा गतप्रवर्तक कर्मचारी कृति समिति' की एमए पाटिल ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया, ह्यहम आशा कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि वे संक्रमित रोगियों के करीबी संपर्कों को ट्रैक करें। साथ ही हर दिन उन्हें कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य संबंधी अपडेट भी रखने होते हैं। इसके बावजूद, उन्हें अपना कोविड -19 प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में अगर किसी को स्वास्थ्य संबंधी समस्या होती है तो वह सबसे पहले आशा वर्कर का ही रूख करता है। आशा कार्यकताओं ने संस्थागत प्रसव में सहायता करके मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में मदद की है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों के लिए सरकार के पोषण कार्यक्रम को चलाने की भूमिका भी निभाती हैं।

कानून बनाते समय होनी चाहिए व्यापक चर्चा, ओम बिरला बोलेः सदन में बाधा या हंगामा ठीक नहीं

नई दिल्ली। आज कर्नाटक विधानसभा को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संबोधित किया। इस दौरान ओम बिरला ने कहा कि जब संविधान का मसौदा तैयार किया गया था, तो भावना हमारे विधायी को अधिक जागरूक, कर्तव्यपरायण, ईमानदार और जिम्मेदार बनाने की थी ताकि लोगों की सामाजिक और आर्थिक बेहतरी के लिए मार्ग प्रशस्त किया जा सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा बनाए गए कानूनों पर व्यापक चर्चा करना हमारा कर्तव्य है। इसमें विधायकों की अधिक सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए ताकि बनने वाले कानूनों पर कोई सवाल न उठाया जा सके। विधान सौध में आज कर्नाटक विधान सभा और विधान परिषद के सदस्यों को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि देखा जा रहा है कि विधानमंडलों में कानून बनाते समय जिस तरह की व्यापक चर्चा होनी चाहिए, वह नहीं हो रही है। यह चिंता का विषय है क्योंकि जनप्रतिनिधि जनता से

सीधे जुड़े हुए हैं और उनकी कठिनाइयों को करीब से समझते हैं। इसलिए कानून बनाते समय उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। हमें कानून बनाते समय अधिक सक्रिय भागीदारी का प्रयास करना चाहिए, चर्चा होनी चाहिए और सदन में कोई बाधा या हंगामा नहीं होना चाहिए। इससे पहले ओम बिरला ने कहा कि समृद्ध परंपराओं, संस्कृति व इतिहास के लिए प्रसिद्ध कर्नाटक, लोकतंत्र के उद्भव के प्रारंभिक केंद्रों में एक है। प्राचीन काल से स्वतंत्रता संग्राम तथा आजादी के बाद से आज तक कर्नाटक के नागरिकों की उपलब्धियों ने देश को गौरवान्वित किया है। कर्नाटक की यात्रा मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वहीं, कर्नाटक विधानसभा ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को वर्ष 2020-21 का सर्वश्रेष्ठ विधायक नामित किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com